दैनिक सीहोर जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K RNI No.MPHIN/2003/10309

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | सीहोर जिले, नर्मदापुरम् संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा | वर्ष-23 अंक-152 | सीहोर,शनिवार 01 अगस्त 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य -1 रूपये | सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में टारगेट किलिंग

आतंकियों की फायरिंग में एक गैर-स्थानीय मजदूर की मौत, दूसरा गंभीर

जम्मू (ए.)। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में शुक्रवार शाम आतंकियों ने एक बार फिर कायरतापूर्ण हरकत करते हुए गैर-स्थानीय मजदूरों को अपना निशाना बनाया है। जिले के केल्लम इलाके में आतंकियों द्वारा की गई फायरिंग में एक मजदूर की दुखद मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल है। घटना के बाद सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर हमलावरों की तलाश में बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है।आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, दोनों पीड़ित छत्तीसगढ़ के रहने वाले हैं। इस आतंकी हमले में दीपक नाम के मजदूर की जान चली गई, जबकि भूपेंद्र गंभीर रूप से घायल है। हमले के तुरंत बाद दोनों घायलों को पास के अस्पताल ले जाया गया। वहां दीपक ने दम तोड़ दिया, वहीं भूपेंद्र की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे विशेष चिकित्सा देखभाल के लिए जीएमसी अनंतनाग रेफर कर दिया गया है।यह घटना ऐसे समय में हुई है जब हाल ही में गैर-स्थानीय श्रमिकों को निशाना बनाने की धमकियों और हमलों की रिपोर्ट के बाद सुरक्षा चिंताएं पहले से ही बढ़ी हुई हैं। इन खतरों के मद्देनजर, सुरक्षाबलों की संयुक्त टीमों ने दक्षिण कश्मीर के कई हिस्सों में पहले ही निगरानी तेज कर दी थी और कई जगह चेकपॉइंट बनाए गए थे।सुरक्षाबलों ने तेजी से पूरे इलाके की घेराबंदी कर ली है और आतंकियों का सुराग लगाने के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। आसपास के इलाकों में अतिरिक्त सुरक्षाबलों की तैनाती की गई है ताकि आतंकी भागने में सफल न हो सकें।

एलएसी के पास बॉलीवुड गाना गाते दिखे चीनी सैनिक, भारतीय सैनिक ने बनाई वीडियो

नई दिल्ली,(आरएनएस)। भारत और चीन के बीच बनी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में भारतीय सेना और चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के सैनिकों के बीच सौहार्दपूर्ण माहौल दिखाई दे रहा है। वीडियो में चीनी सैनिक बॉलीवुड फिल्म मोहब्बतें का लोकप्रिय गीत आंखें खुली हों या हों बंद मोबाइल पर सुनते और गुनगुनाते नजर आ रहे हैं, जबकि एक भारतीय सैनिक इस पूरे दृश्य का वीडियो बना रहा है।

हालांकि, यह वीडियो कब और कहां का है, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई है। किसी भी सरकारी एजेंसी या भारतीय सेना की ओर से भी इस वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं की गई है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने संसद भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सौजन्य भेंट कर छत्तीसगढ़ के समग्र विकास, बस्तर के कायाकल्प तथा राज्य की महत्वपूर्ण अधोसंरचना एवं औद्योगिक परियोजनाओं के संबंध में विस्तार से चर्चा की।

दिल्ली प्रदर्शन में घायल पुलिसकर्मियों के परिजन सामने आए, बेटी बोली- पिता को घसीटा गया

नईदिल्ली(आरएनएस)। दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन और संसद चलो मार्च के दौरान हुई हिंसा में घायल पुलिसकर्मियों के परिजनों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की है। इस दौरान परिजनों ने कहा कि वे भी इस देश के नागरिक हैं और उन्हें भी न्याय मिलना चाहिए। परिजनों ने संसद में चर्चा की भी मांग की। घायल पुलिसकर्मियों के परिवारों ने कथित हमलों के वीडियो दिखाए और आरोप लगाया कि असामाजिक तत्वों ने प्रदर्शन में घुसपैठ की थी।

एक घायल पुलिसकर्मी की बेटी ने कहा, मेरे पिता मुख्य विरोध स्थल पर थे। वे अग्रिम पंक्ति में, बैरिकेड्स के पास थे। मेरे पिता को उपद्रवी भीड़ ने घसीटा और लगभग पीट-पीटकर मार डाला। वे अस्पताल में लगभग 4 घंटे तक बेहोश रहे। रात करीब 10 बजे सहकर्मी उन्हें घर लाए। उनकी वर्दी खून से लथपथ थी। उन्हें उस हालत में देखना हमारे लिए बेहद दर्दनाक था। वह रात हमारे परिवार के लिए सबसे कठिन रातों में से एक थी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्राकृतिक खेती कर रही उन्नतशील कृषि सखियों से किया संवाद

कृषि सखियों से प्राकृतिक खेती से हो रही आमदनी और प्राकृतिक तकनीकों के बारे में जाना

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि झाबुआ जिले में प्राकृतिक खेती के पर्याप्त अवसर हैं। प्राकृतिक खेती न सिर्फ सेहत के लिए, बल्कि अच्छी आमदनी का भी अवसर प्रदान कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश में नए अवसर पैदा हुए हैं। इसके लिए प्रदेश में कृषि कल्याण वर्ष के अंतर्गत सभी आवश्यक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को झाबुआ जिले के थांदला में प्रदेश स्तरीय स्व-सहायता समूहों का क्षमतावर्धन एवं ऋण वितरण कार्यक्रम में शामिल हुए। यहां उन्होंने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आई प्राकृतिक खेती कर रहीं उन्नतशील कृषि सखियों और किसानों से संवाद किया। उन्होंने किसानों के अनुभव जाने तथा प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं प्रयासों पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने की जीवामृत और बीजामृत बनाने का प्रशिक्षण देने वाली उन्नत कृषि सखियों के कार्यों की सराहना

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्राम देवीगढ़, विकासखंड मेघनगर की उन्नतशील कृषि सखी श्रीमती संगीता डामोर से संवाद कर प्राकृतिक खेती

के क्षेत्र में उनके अनुभवों एवं प्रयासों की सराहना की। संवाद के दौरान श्रीमती डामोर ने बताया कि उन्होंने कृषि सखी के रूप में प्राकृतिक खेती का पाँच दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त किया है। वर्तमान में वे अपने गांव एवं आसपास के 125 किसानों को प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण दे रही हैं। प्रशिक्षण में मुख्य रूप से बीजामृत, जीवामृत और नीमास्त्र जैसे प्राकृतिक आदान बनाने की विधियां बता रही हैं। उन्होंने बताया कि वे लगभग एक हेक्टेयर भूमि पर प्राकृतिक खेती कर रही हैं तथा पिछले चार वर्षों से आत्मा परियोजना से जुड़कर नवीन कृषि तकनीकों को अपनाने के साथ अन्य किसानों तक भी पहुंचा रही हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि प्राकृतिक खेती एवं बेहतर फसल प्रबंधन अपनाने से गेहूं का उत्पादन 35 क्विंटल से बढ़कर 45 क्विंटल प्रति हेक्टेयर हो गया, जिससे उनकी आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती किसानों की लागत कम करने, उत्पादन बढ़ाने और आय में वृद्धि का प्रभावी माध्यम बन रही है। श्रीमती डामोर ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रति आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव स्वयं कृषि सखियों के पास जाकर उनसे प्राकृतिक खेती के अनुभवों को जाना और प्राकृतिक खेती से होने वाली आमदनी की जानकारी ली। उन्होंने सभी बहनों को आगामी रक्षाबंधन के त्योहार की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

प्रदर्शन के दौरान संसद परिसर में पुजारी बने पप्पु यादव

नई दिल्ली(ए)। संसद में मानसून सत्र के 12वें दिन शुक्रवार को विपक्षी दलों के सांसदों ने अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावे की रकम में हुई कथित अनियमितताओं को लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान सांसद पप्पु यादव अनोखे अंदाज में पुजारी बनकर बैठ गए।प्रदर्शन के दौरान निर्दलीय सांसद पप्पू यादव भगवा वस्त्र धारण कर पुजारी के रूप में जमीन पर कुछ दानपेटी लेकर बैठ गए। इस दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सहित अन्य विपक्षी सांसदों ने उस दान पेटी में सांकेतिक रूप से चंदा डाला। पप्पू यादव के ठीक पीछे खड़े सांसदों के हाथों में पोस्टर थे, जिन पर गृह मंत्री की अनुपस्थिति को लेकर अमित शाह संसद से गायब क्यों जैसे सवाल लिखे हुए थे।उल्लेखनीय है कि मानसून सत्र के पहले दिन से ही (12 दिनों से लगातार) विभिन्न मुद्दों को लेकर जारी हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से नहीं चल सकी है। विपक्षी पार्टियां सामाजिक मुद्दों, छात्रों के विरोध और धार्मिक स्थलों के प्रबंधन में पारदर्शिता जैसे विषयों को लेकर मोदी सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

प्रदेश के कई जिलों में अगले 48 घंटे भारी बारिश की चेतावनी, आज 12 जिलों में अलर्ट

भोपाल, (निप्र.)। मध्य प्रदेश में सक्रिय तीन मजबूत मानसूनी सिस्टम के असर से प्रदेश के पश्चिमी हिस्से में बारिश का दौर तेज हो गया है। अगले 48 घंटे तक मालवा-निमाड़ क्षेत्र, विशेषकर इंदौर और उज्जैन संभाग में भारी से अति भारी बारिश की संभावना है। आज शुक्रवार को 12 जिलों के लिए भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है, जबकि भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर समेत कई शहरों में भी बारिश का अनुमान है।मौसम विभाग के अनुसार, रतलाम, झाबुआ, अलीराजपुर और धार में अति भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। वहीं नीमच, आगर-मालवा, उज्जैन, देवास, बड़वानी, खरगोन, बुरहानपुर और छिंदवाड़ा में भारी बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा भोपाल, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, विदिशा, इंदौर, खंडवा, मंदसौर, शाजापुर, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, जबलपुर, कटनी, नरसिंहपुर, पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी, रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली, मऊगंज, मैहर, शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, सागर, पन्ना, दमोह, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी में गरज-चमक के साथ बारिश का पूर्वानुमान है। गुरुवार को भी भोपाल, उज्जैन, रतलाम, हरदा और खरगोन सहित कई जिलों में अच्छी बारिश दर्ज की गई। लगातार बारिश के चलते सारणी स्थित सतपुड़ा बांध के सात गेट इस मानसून सीजन में पहली बार खोलने पड़े।

धार में ऐतिहासिक भोजशाला के पीछे वाली जमीन पर मुस्लिम समाज ने अदा की जुमे की नमाज

सुप्रीम कोर्ट ने तय किया था स्थान, स्थानीय लोगों ने निजी भूमि बताकर किया विरोध

धार, (ए.)। मध्य प्रदेश के धार जिला मुख्यालय स्थित ऐतिहासिक भोजशाला परिसर के पीछे बाउंड्रीवॉल से सटी खसरा नंबर 612 की जमीन पर मुस्लिम पक्ष ने शुक्रवार को जुमे की नमाज अदा की। दरअसल, उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद मुस्लिम पक्ष ने जिला प्रशासन से चर्चा के दौरान इस जमीन पर नमाज अदा करने की सहमति जताई थी। शुक्रवार को यहां बड़ी संख्या में नमाजी पहुंचे और जुमे की नमाज अदा की। इससे पहले प्रशासनिक अमले ने बारिश से गीली जमीन पर तिरपाल बिछाई।

पूरे क्षेत्र की बैरिकेडिंग कर दी। इस दौरान पुलिस भी तैनात रही।हालांकि, इससे पहले सुबह स्थानीय हिन्दू समाज के लोगों ने इस जमीन को निजी बताकर नमाज के खिलाफ आपत्ति दर्ज कराई। उन्होंने कहा कि जिस जगह नमाज की अनुमति दी गई है, वह हमारी जमीन है। हम लंबे समय से इस पर खेती करते आ रहे हैं। हम यहां नमाज नहीं होने देंगे। यदि जरूरत पड़ी तो अपने अधिकारों की रक्षा के लिए अदालत का दरवाजा भी खटखटाएंगे। जानकारी मिलते ही एसडीएम राजकुमार हलदर अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और आपत्तिकर्ताओं को समझाइश दी। उन्होंने आश्वासन दिया कि उनकी पूरी सुनवाई होगी, इसके बाद प्रदर्शन शांत हो सका।इधर, कमाल मौला वेलफेयर सोसायटी के प्रतिनिधि अब्दुल समद ने कहा कि खसरा नंबर 611 और 612 की जमीन से कमाल मौला मस्जिद सीधे दिखाई देती है, इसीलिए हम यहां नमाज पढ़ने के लिए राजी हुए। उन्होंने कहा कि अगले शुक्रवार तक यदि अदालत का कोई नया अंतरिम या अंतिम निर्णय आता है, तो हम और प्रशासन दोनों उसका पालन करेंगे। गौरतलब है कि उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद प्रकरण को लेकर पूर्व में दिए अपने अंतरिम आदेश को स्पष्ट करते हुए मुस्लिम समाज के लोगों को नमाज अदा करने का स्थान तय किया था, यह भोजशाला के समीप दरगाह परिसर की जमीन है। साथ ही राज्य सरकार को आदेश दिया गया था कि वह दरगाह की इस जमीन पर हर शुक्रवार को दोपहर 1 से 3 बजे के बीच मुस्लिमों को नमाज की व्यवस्था सुनिश्चित करे।न्यायालय के आदेश की जानकारी मिलते ही गुरुवार देर शाम धार कलेक्टर राजीव रंजन मीणा और एसपी सचिन शर्मा प्रशासनिक अमले के साथ भोजशाला पहुंचे। यहां राजस्व विभाग की टीम ने उच्चतम न्यायालय द्वारा चिंहित किए गए खसरा नंबर की जानकारी देते हुए नमाज के तय स्थान के बारे में उन्हें विस्तृत जानकार दी।

हरिद्वार कांवड़ मेला : 2 दिन में 25 लाख से ज्यादा शिव भक्त कांवड़ियों ने भरा गंगाजल

हरिद्वार (ए.)। कांवड़ मेला के दूसरे दिन हरिद्वार में शिवभक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। पुलिस कंट्रोल रूम से मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार को 14 लाख 55 हजार श्रद्धालु पवित्र गंगाजल लेकर अपने गंतव्य के लिए रवाना हुए। कांवड़ यात्रा शुरू होने के बाद से अब तक कुल 25 लाख 10 हजार शिवभक्त हरिद्वार से गंगाजल लेकर विभिन्न राज्यों के लिए प्रस्थान कर चुके हैं। श्रद्धालुओं की संख्या में लगातार वृद्धि को देखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन पूरी सतर्कता के साथ व्यवस्थाओं का संचालन कर रहे हैं।कांवड़ यात्रा को सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाए रखने के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं। प्रमुख स्नान घाटों, कांवड़ मार्गों और संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा, यातायात, स्वास्थ्य, स्वच्छता, पेयजल और अन्य आवश्यक सुविधाओं पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। जिला प्रशासन ने सभी शिवभक्तों से अपील की है कि वे यात्रा के दौरान निर्धारित मार्गों का पालन करें और प्रशासन तथा पुलिस द्वारा जारी दिशा निर्देशों का अनुपालन करें।अधिकारियों ने बताया कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ 24 घंटे कार्यरत हैं, ताकि लाखों श्रद्धालुओं की यात्रा सुरक्षित और सुगम हो सके।

बांग्लादेश की निर्वासित लेखिका तस्लीमा नसरीन 19 साल बाद लौटीं कोलकाता

कोलकाता(आरएनएस)। बांग्लादेश की निर्वासित लेखिका तस्लीमा नसरीन 19 साल बाद पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता लौट आई हैं। यहां नसरीन रवींद्र सदन में आयोजित साहित्यिक कार्यक्रम में शामिल होंगी। अपनी रचनाओं के कारण भारी विरोध देखने वाली नसरीन ने 1994 में बांग्लादेश छोड़ा था और तब से निर्वासन झेल रहीं हैं। वह शुक्रवार को सीधे न्यूयॉर्क से कोलकाता पहुंची हैं, जहां उनकी आत्मकथा का विमोचन होगा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी भी इस कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, नसरीन ने शहर आने से पहले आशा व्यक्त की थी कि यह यात्रा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और असहमति की आवाज़ों के संरक्षण के महत्व को पुन: स्थापित करेगी।

दैनिक क्षितिज ✌ किरण
स्वतंक, निष्पक्ष, निर्भीक समाचार
आवश्यकता है
सीहोर जिले में
संवाददाता एवं विज्ञापन प्रतिनिधि की
इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें
संपर्क करें 9425025999 एवं 9098362770
संपर्क करने का समय | सुबह 9.00 बजे से 12.00 बजे तक | शाम 6.00 बजे से 8.00 बजे तक

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शहीद उधम सिंह के बलिदान दिवस पर अर्पित की श्रद्धांजलि

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने क्रांतिकारी शहीद उधम सिंह के बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा कि शहीद उधम सिंह ने जलियांवाला बाग नरसंहार के निर्दोष शहीदों को न्याय दिलाने के लिए अदम्य साहस धैर्य और राष्ट्रभक्ति का परिचय देते हुए जलियांवाला बाग नरसंहार के लिये जिम्मेदार जनरल डायर की कार्रवाई को सही ठहराने वाले पंजाब के तत्कालीन लेफ्टिनेंट गवर्नर माईकल ओडवायर को ब्रिटेन जाकर गोलियों से भून डाला। बाद में 1940 में शहीद उधम सिंह को लंदन में फांसी दे दी गई। इस प्रकार अपना सर्वस्व राष्ट्र को समर्पित कर दिया।

यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री के आसपास का पानी पीने लायक नहीं

भोपाल, (निप्र.)। भोपाल में यूनियन कार्बाइड गैस त्रासदी पीड़ितों के चार संगठनों ने शुक्रवार को शहर में सप्लाई किए जा रहे पेयजल को लेकर गंभीर आरोप लगाए। संगठनों का दावा है कि भोपाल नगर निगम कार्बाइड फैक्ट्री के आसपास के इलाकों में सीवेज से दूषित पानी की आपूर्ति कर रहा है, जिससे इंदौर के भागीरथपुरा जैसी स्थिति बनने का खतरा पैदा हो गया है।संगठनों ने प्रभावित क्षेत्रों में पेयजल की जांच कराई, जिसकी रिपोर्ट भी सार्वजनिक की। रिपोर्ट के मुताबिक जांचे गए पानी के करीब 70 प्रतिशत नमूनों में फीकल कोलीफॉर्म (मल से जुड़े बैक्टीरिया) पाए गए। इससे संकेत मिलता है कि इन इलाकों में बड़ी मात्रा में मल से दूषित पानी लोगों तक पहुंच रहा है। भोपाल गैस पीड़ित महिला-पुरुष संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष नवाब खान ने बताया कि इस महीने 30 बस्तियों के नलों से 63 पानी के नमूने एकत्र किए गए थे। इनमें से 43 नमूनों में फीकल कोलीफॉर्म की पुष्टि हुई। उनके अनुसार, इसका मतलब है कि 30 में से 19 क्षेत्रों में लोगों को दूषित पेयजल मिल रहा है। उन्होंने बताया कि बड़ा तालाब (अपर लेक) से सप्लाई किए गए पानी के 90 प्रतिशत नमूने और कोलार डैम से सप्लाई किए गए पानी के 25 प्रतिशत नमूने भी जांच में दूषित पाए गए।संगठनों का आरोप है कि यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री से सटे इलाकों के लोग लंबे समय से सीवेज से दूषित पानी पीने को मजबूर हैं। इसके कारण दस्त, उल्टी, टाइफाइड समेत जलजनित बीमारियों के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। उनका कहना है कि कई परिवार एक साथ बीमार पड़ रहे हैं और निजी क्लीनिकों में टाइफाइड के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है।भोपाल गैस पीड़ित महिला स्टेशनरी कर्मचारी संघ की अध्यक्ष रशीदा बी ने बताया कि साल 2004 में सुप्रीम कोर्ट ने माना था कि यूनियन कार्बाइड के जहरीले कचरे से यहां का भूजल जहरीले रसायनों और भारी धातुओं से प्रदूषित हो चुका है। इसके बाद कोर्ट ने प्रभावित क्षेत्रों में पाइपलाइन बिछाकर लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे।

आठ साल से शिकायत, फिर भी नहीं बिछी सीवर लाइन

भोपाल गैस पीड़ित निराश्रित पेंशनभोगी संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष बालकृष्ण नामदेव ने कहा कि अगस्त 2018 में पेयजल में मल मिलने की शिकायतों पर सुप्रीम कोर्ट ने भोपाल नगर निगम को प्रभावित क्षेत्रों में सीवर लाइन और बेहतर ड्रेनेज व्यवस्था विकसित करने का आदेश दिया था। नगर निगम ने तीन महीने में काम पूरा करने का आश्वासन दिया था, लेकिन आठ साल बीत जाने के बाद भी इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग

भोपाल ग्रुप फॉर इंफॉर्मेशन एंड एक्शन की रचना धींगरा ने दूषित पेयजल की आपूर्ति के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की अनदेखी कर लोगों के स्वास्थ्य को खतरे में डाला जा रहा है।भागीरथपुरा जैसी घटना का इंतजार करने के बजाय दोषियों पर तुरंत कार्रवाई होनी चाहिए। साथ ही प्रभावित क्षेत्रों में सीवर और ड्रेनेज परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए तथा पेयजल की गुणवत्ता की स्वतंत्र निगरानी की व्यवस्था भी तत्काल शुरू की जाए।

मुख्य सचिव, सीएम सचिवालय के अफसरों के स्टाफ बदले

मंत्रालय में हुआ फेरबदल, कुछ और अधिकारी कर्मचारी बदले जाएंगे

भोपाल(आरएनएस)। अनुराग जैन को नीति आयोग का सीईओ बनाए जाने और उनके दिल्ली जाने के बाद नए मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल के स्टाफ में आंशिक बदलाव हुआ है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री कार्यालय में भी नए अफसरों की पदस्थापना के साथ उनके स्टाफ के अफसर, कर्मचारी बदले गए हैं। इन सीनियर अफसरों के स्टाफ में हुए बदलाव में उनके निज सचिव और स्टेनोटाइपिस्ट के पद पर नए कर्मचारी पदस्थ किए गए हैं। सभी बदले गए अधिकारी कर्मचारी मंत्रालय सेवा के हैं। अभी कुछ और बदलाव हो सकते हैं। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश के बाद मुख्य सचिव बर्णवाल के निज सचिव की जिम्मेदारी अब अपर मुख्य सचिव लोक स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग के निज सचिव का काम देख रहे हरिशंकर भार्गव संभालेंगे। इसी तरह अपर मुख्य सचिव लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग सचिन सिन्हा के निज सचिव पद पर सामान्य प्रशासन पूल में पदस्थ शेख हबीब को पदस्थ किया गया है। इनके अलावा प्रमुख सचिव राजस्व और नर्मदा घाटी विकास विभाग डॉ ई. रमेश कुमार के निज सचिव पद पर संजय कुमार जोशी, स्टेनोटाइपिस्ट पद पर योगेश गोयल की पदस्थापना की गई है।

बहनों की शक्ति और आशीर्वाद से आगे बढ़ रहा मध्यप्रदेश : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

स्व-सहायता समूहों को प्रदान की 300 करोड़ रुपए ऋण राशि

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में महिला सशक्तिकरण का कार्य सरकार और सामाजिक दोनों स्तर पर हो रहा है। बहनें स्व-सहायता समूहों को नई ताकत दे रही हैं। कृषि, पशुपालन, बैंक, उद्यम सखियां भी सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। बहनों की सार्थक भूमिका से प्रत्येक परिवार में समृद्धि आ रही है। राज्य सरकार किसान कल्याण वर्ष मना रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बहनों की शक्ति और आशीर्वाद से प्रदेश आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में नगरीय निकायों और पंचायतों में 50 प्रतिशत स्थान बहनों के लिए आरक्षित है। सरकारी सेवाओं में बहनों के लिए 35 प्रतिशत स्थान आरक्षित रखे गए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लोकसभा और राज्यसभा में बहनों के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था के लिए प्रतिबद्ध हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को शासकीय महाविद्यालय ग्राउंड, थांदला, जिला झाबुआ में आयोजित स्व-सहायता समूहों के क्षमतावर्धन एवं ऋण वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश तेज गति से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी जब लगातार तीन बार पड़ौसी राज्य गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब झाबुआ के आसपास जनजातीय अंचल में विकास के अद्भुत कार्य हुए। पूरी दुनिया गुजरात की शक्ति से परिचित हुई। प्रधानमंत्री श्री मोदी गरीब, किसान, युवा और नारी कल्याण के लिए कार्य कर रहे हैं। उनके मन में बहनों के लिए विशेष सम्मान है। उनके माध्यम से स्व-सहायता समूहों से जुड़ी बहनें के सशक्तिकरण के लिए 300 करोड़ रुपये के ऋण दिए गए हैं। स्व-सहायता समूहों से बहनों की समृद्धि का मार्ग खुल रहा है। यह आत्मनिर्भरता और समाजिक सशक्तिकरण का एक बड़ा आंदोलन बन रहा है। सहयोग और सहभागिता से समृद्ध होकर बहनें नए रिकॉर्ड बना रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अब हमारी बहनें 10 हजार रुपए प्रति महीना तक आय अर्जित कर रही हैं। प्रदेश की लाड़ली बहनें, उद्यमी बहनें, कृषि सखी सभी आगे बढ़ रही हैं। प्रदेश में स्व-सहायता समूहों के द्वारा 196 दीदी कैफे संचालित किए जा रहे हैं। झाबुआ में भी बहनें 4 कैफे चला रही हैं। प्रदेश में 85 आजीविका पुस्तकालयों का संचालन स्व-सहायता समूहों की बहनों के हाथों में है। गैर कृषि आधारित 150 से अधिक कार्य बहनें कर रही हैं। यह आयोजन महिला सशक्तिकरण का उत्कृष्ट प्रमाण है। होलकर साम्राज्य की रानी लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर ने भील पल्टन बनाकर जनजातीय समुदाय पर विश्वास जताया था।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने झाबुआ के थांदला में स्व सहायता समूहों को ऋण वितरण और संवाद कार्यक्रम में बच्चों को दुलारा।

विकास को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना राज्य सरकार का मुख्य ध्येय : श्रीमती गौर

भोपाल (ए.)। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि राज्य सरकार समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुँचाने के अटूट संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है। आमजन की मूलभूत आवश्यकताओं को प्राथमिकता देना सरकार की सर्वोपरि प्रतिबद्धता है, जिसके दृष्टिगत जन-सुविधाओं से जुड़े निर्माण कार्यों को गति प्रदान की जा रही है। राज्य मंत्री श्रीमती गौर भोपाल के वार्ड क्रमांक 74 में लगभग 50 लाख रुपये की लागत से स्वीकृत विभिन्न विकास कार्यों के भूमि-पूजन समारोह को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने विश्वास जताया कि सड़क, नाली, सामुदायिक भवन एवं अन्य बुनियादी अधोसंरचना के इन कार्यों से क्षेत्रवासियों के दैनिक जीवन में सुगमता आएगी और क्षेत्र का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित होगा। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने जन-सुविधाओं के विस्तार के लिए अनेक महत्वपूर्ण विकास कार्यों का शिलान्यास किया। इसके अंतर्गत खेजड़ा स्थित हनुमान मंदिर के समीप 4 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाले कम्युनिटी हॉल तथा भानपुर मल्टी एलआईजी के पास 4 लाख रुपये की लागत से शेड एवं चबूतरा निर्माण कार्य का औपचारिक भूमि-पूजन हुआ।

भोपाल मंडल में तत्काल आरक्षण व्यवस्था हुई और अधिक पारदर्शी, 01 अगस्त से लागू होगी नई टोकन प्रणाली

दलालों एवं बिचौलियों पर लगेगी लगाम, स्वयं एवं परिवार के यात्रियों को मिलेगी प्राथमिकता

भोपाल (निप्र)। यात्रियों को पारदर्शी, सुव्यवस्थित एवं सुविधाजनक तत्काल आरक्षण सुविधा उपलब्ध कराने तथा अनधिकृत दलालों एवं बिचौलियों की गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल ने तत्काल आरक्षण के लिए नई टोकन वितरण व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया है। यह नई व्यवस्था भोपाल मंडल के सभी कम्प्यूटरीकृत आरक्षण केंद्रों पर 01 अगस्त 2026 से प्रभावी होगी। नई व्यवस्था के अनुसार एसी तत्काल आरक्षण के लिए प्रतिदिन प्रात: 08:30 बजे से 09:00 बजे तक तथा नॉन-एसी तत्काल आरक्षण के लिए प्रात: 09:00 बजे से 09:30 बजे तक टोकन वितरित किए जाएंगे। प्रत्येक आरक्षण काउंटर पर एसी श्रेणी के लिए अधिकतम 10 तथा नॉन-एसी श्रेणी के लिए 15 टोकन जारी किए जाएंगे। भीड़ एवं स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार सक्षम अधिकारी आवश्यकता पड़ने पर टोकनों की संख्या में परिवर्तन कर सकेंगे। नई व्यवस्था में यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए टोकन वितरण के लिए दो प्राथमिकता श्रेणियां निर्धारित की गई हैं। प्राथमिकता 'A' (स्वयं एवं पारिवारिक सदस्य) के अंतर्गत वे यात्री शामिल होंगे जो स्वयं अथवा अपने निकट पारिवारिक सदस्यों—दादा-दादी, माता-पिता, भाई-बहन, पुत्र-पुत्री एवं पति-पत्नी—के लिए तत्काल टिकट प्राप्त करेंगे। इसके लिए स्वयं के मामले में स्वप्रमाणित आधार कार्ड अथवा रेलवे द्वारा मान्य अन्य फोटो पहचान-पत्र प्रस्तुत करना होगा। पारिवारिक सदस्य के लिए आवेदन करने पर प्रतिनिधि तथा यात्रा करने वाले परिवार सदस्य दोनों के स्वप्रमाणित पहचान-पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। यदि प्रस्तुत दस्तावेजों से पारिवारिक संबंध स्पष्ट नहीं होता है, तो राशन कार्ड, फैमिली मेडिकल कार्ड अथवा परिवार का विवरण दर्शाने वाले किसी अन्य सरकारी दस्तावेज की स्वप्रमाणित प्रति भी देनी होगी। प्राथमिकता 'B' (अन्य यात्री) में प्राथमिकता 'A' के अतिरिक्त सभी अन्य आवेदक शामिल होंगे। इस श्रेणी के लिए आवेदन प्रस्तुत करने वाले व्यक्ति तथा जिस यात्री के लिए आरक्षण कराया जा रहा है, दोनों के स्वप्रमाणित आधार कार्ड अथवा रेलवे द्वारा मान्य फोटो पहचान-पत्र की प्रति प्रस्तुत करनी होगी। यात्रा करने वाले यात्री के पहचान-पत्र पर उसके हस्ताक्षर भी अंकित होना आवश्यक होगा। टोकनों का आवंटन निर्धारित प्राथमिकता के अनुसार क्रमबद्ध रूप से किया जाएगा। पहले प्राथमिकता 'A' श्रेणी के सभी टोकनधारकों का कार्य पूर्ण किया जाएगा, इसके पश्चात ही प्राथमिकता 'B' के यात्रियों को आरक्षण काउंटर पर अवसर मिलेगा। प्रत्येक टोकन पर संबंधित काउंटर संख्या अंकित होगी तथा उसका विवरण निर्धारित रजिस्टर में दर्ज किया जाएगा, जिससे एक ही व्यक्ति द्वारा बार-बार टोकन प्राप्त करने अथवा टाउट गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी रखी जा सके। यह टोकन किसी भी परिस्थिति में हस्तांतरणीय नहीं होगा तथा केवल टोकन प्राप्त करने वाला व्यक्ति ही संबंधित आरक्षण काउंटर से टिकट प्राप्त करने का पात्र होगा। सभी टोकनधारकों का कार्य पूर्ण होने के उपरांत उपलब्धता के आधार पर तत्काल टिकटों की बुकिंग पूर्ववत पहले आओ, पहले पाओ के सिद्धांत पर की जाएगी। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि नई टोकन व्यवस्था का उद्देश्य तत्काल आरक्षण प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, निष्पक्ष एवं यात्री-केंद्रित बनाना है। इससे वास्तविक यात्रियों को सुविधा मिलेगी, जबकि अनधिकृत दलालों एवं बिचौलियों की गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगेगा। उन्होंने यात्रियों से निर्धारित प्रक्रिया का पालन करने तथा किसी भी प्रकार के अनधिकृत दलाल अथवा बिचौलिए के माध्यम से टिकट बुक कराने से बचने की अपील की।

भोपाल में चौक बाजार की कपड़ा दुकान में आग

भोपाल (आरएनएस)। भोपाल के चौक स्थित एक कपड़ा दुकान में शुक्रवार की दोपहर आग लग गई। दुकान से धुआं उठते देख दुकानदार बाहर निकले। इसके बाद आग पर काबू पाने की कोशिश होने लगी। फायर स्टेशन को सूचना दी गई, लेकिन रास्ते में बेरिकेडिंग और रास्ता छोटा होने से दमकल के पहुंचने में देरी हो गई। चौक बाजार में नेमा डिजाइनर स्टूडियो है। यही पर दोपहर में आग लगी थी। शार्ट-सर्किट की वजह से आग लगना सामने आया है। लोगों की मदद से आग पर जल्दी काबू पा लिया गया। बावजूद लाखों रुपए का नुकसान हो गया। इस स्टूडियो में दुल्हन के लहंगे समेत अन्य कपड़े मिलते हैं।

मोती मस्जिद के पास बेरिकेडिंग, घूमकर आना पड़ा

ट्रैफिक व्यवस्था के चलते पुलिस ने मोती मस्जिद के पास बेरिकेडिंग कर वन-वे कर रखा है। इस वजह से दमकल यहां से नहीं आ पाई और उसे घूमकर पहुंचना पड़ा। संकरा रास्ता होने से और देरी हो गई। इस वजह से दमकल 40 से 50 मिनट लेट पहुंची। बीच में टूव्हीलर खड़े होने से दिक्कतें और भी बढ़ गईं। इस कारण लोगों में नाराजगी देखने को मिली।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दुकान में लगी आग समय पर बुझा दी गई। वरना बड़ा हादसा हो सकता था, क्योंकि इस दुकान के पास में ही अन्य दुकानें भी सटी हुई हैं। आग फैलती तो आसपास की दुकानों को भी चपेट में ले सकती थी।

एलएलबी का छात्र फर्जी पुलिस बनकर कर रहा था वसूली

भोपाल, (निप्र.)। राजधानी के शाहपुरा थाना क्षेत्र में फर्जी पुलिस बनकर राहगीरों से वसूली करने वाले दो युवकों को पुलिस ने गुरुवार रात गिरफ्तार किया है। दोनों सिविल ड्रेस में चौराहे पर वाहन चालकों को रोककर खुद को पुलिसकर्मी बताते थे और हेलमेट व अन्य नियमों का हवाला देकर रुपए मांगते थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक नकली पिस्टल भी बरामद की है। दोनों के खिलाफ फर्जी पुलिस बनकर वसूली करने समेत विभिन्न धाराओं में शुक्रवार को एफआईआर दर्ज की है। शाहपुरा थाना प्रभारी संतोष मकराम ने बताया कि गुरुवार रात करीब 9:30 बजे शाहपुरा चौराहे से सूचना मिली थी कि दो युवक पुलिसकर्मी बनकर वाहनों की जांच कर रहे हैं और लोगों से वसूली कर रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और दोनों को पकड़ लिया।पकड़े जाने के बाद दोनों ने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की। उन्होंने खुद को कोहेफिजा थाने में पदस्थ पुलिसकर्मी बताया, लेकिन सख्ती से पूछताछ करने पर उनकी कहानी झूठी निकली।

जनजागरूकता, जनभागीदारी, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और समन्वित प्रयास से हीमोग्लोबिनोपैथीज़ का शीघ्र करेंगे उन्मूलन : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

समन्वित प्रयास से मध्यप्रदेश सिकल सेल एवं हीमोग्लोबिनोपैथीज़ नियंत्रण की दिशा में अग्रणी

भोपाल (ए.)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल भोपाल में स्टेट लेवल कंसल्टेशन मीटिंग ऑन हीमोग्लोबिनोपैथीज़ : संकल्प से समाधान में शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि सिकल सेल एनीमिया, थैलेसीमिया एवं अन्य हीमोग्लोबिनोपैथीज़ केवल स्वास्थ्य संबंधी चुनौती नहीं हैं, बल्कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, भावी पीढ़ियों के स्वास्थ्य तथा सामाजिक विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषय हैं। इनकी रोकथाम के लिए समय पर पहचान, गुणवत्तापूर्ण उपचार, जेनेटिक काउंसिलिंग, जनजागरूकता तथा सामुदायिक सहभागिता को समान रूप से सुदृढ़ करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल के सतत मार्गदर्शन एवं निगरानी में मध्यप्रदेश सिकल सेल एवं एनीमिया से मुक्ति की दिशा में ऐतिहासिक कार्य कर रहा है। मध्यप्रदेश को इन बीमारियों से पूर्णत: मुक्त कर 'स्वस्थ एवं विकसित मध्यप्रदेश' बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध हैं। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने हीमोग्लोबिनोपैथीज़ के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से तैयार आईईसी (सूचना, शिक्षा एवं संचार) सामग्री का विमोचन भी किया।

सड़क दुर्घटनाओं को रोकने सड़क सुरक्षा प्रबंधन पर दो दिवसीय प्रशिक्षण

भोपाल(आरएनएस)। सड़क सुरक्षा प्रबंधन पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम पुलिस परिवहन शोध संस्थान (पीटीआरआई) में आयोजित किया गया। इसमें सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं यातायात परिवहन की नई तकनीकों से परिचय, वाहन दुर्घटनाओं में पीड़ितों को शासकीय योजनाओं के माध्यम से आर्थिक सहायता, कैशलेस उपचार उपलब्ध करवाने संबंधी जानकारी दी गयी। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक मोहम्मद शाहिद अबसार के निर्देशानुसार यह प्रशिक्षण अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक से आरक्षक स्तर के अधिकारी-कर्मचारियों को दिया गया। प्रशिक्षण सत्र में शासकीय योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार, यातायात प्रवर्तन, सड़क सुरक्षा प्रबंधन, यातायात प्रबंधन एवं पोस्ट क्रेश प्रबंधन विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा जानकारी दी गयी। मध्यप्रदेश में सड़कों पर होने वाली वाहन दुर्घटनाओं एवं दुर्घटनाओं से होने वाली मृत्यु की संख्या में कमी लाने के उद्देश्य से यह प्रशिक्षण आयोजित किया गया। सड़क सुरक्षा प्रबंधन का उपयोग सड़क उपयोगकर्ताओं को एक सुरक्षित सड़क नेटवर्क उपलब्ध कराना है। इसमें पद यात्रियों, साइकिल और वाहन चालकों को प्राथमिकता दी गयी है। उप पुलिस महानिरीक्षक पीटीआरआई टी.के. विद्यार्थी द्वारा वाहन दुर्घटनाओं का विश्लेषण करना एवं उनकी रोकथाम करने संबंधी कार्य-योजना बनाना, पीएम राहत योजना, राहवीर योजना आदि के बारे में जानकारी दी गयी।

आरपीएफ ने 70 हजार मूल्य का लैपटॉप व महत्वपूर्ण दस्तावेजों से भरा बैग यात्री को सकुशल लौटाया

भोपाल (निप्र)। रेल यात्रियों की सुरक्षा एवं उनके खोए हुए सामान को शीघ्रता से वापस दिलाने के उद्देश्य से रेलवे सुरक्षा बल द्वारा संचालित 'ऑपरेशन अमानत' के अंतर्गत आरपीएफ पोस्ट हरदा ने त्वरित कार्रवाई करते हुए लगभग 70,000 मूल्य का लैपटॉप, चार्जर एवं महत्वपूर्ण दस्तावेजों से भरा बैग खोजकर उसके वास्तविक स्वामी को सुरक्षित वापस सौंप दिया।

आरपीएफ पोस्ट हरदा में सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) रूपेन्द्र बुवाड़े को यात्री के परिजनों द्वारा सूचना दी गई कि हर्ष राठौर (20 वर्ष), निवासी ग्राम नागझिरी, जिला खरगोन ने खंडवा से भोपाल जाने के लिए गाड़ी संख्या 17020 में सामान्य टिकट पर यात्रा प्रारंभ की थी। यात्रा के दौरान अत्यधिक भीड़ होने के कारण वह दूसरी ट्रेन से भोपाल जाने के लिए उतर गया और जल्दबाजी में अपना पिट्ठू बैग, जिसमें एचपी कंपनी का लैपटॉप, चार्जर एवं अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज रखे थे, ट्रेन के सामान्य

कोच में सीट के ऊपर ही भूलवश छोड़ गया। सूचना प्राप्त होते ही एएसआई रूपेन्द्र बुवाड़े एवं प्रधान आरक्षक जितेन्द्र तिवारी ने गाड़ी संख्या 17020 के हरदा स्टेशन पहुंचने पर संबंधित सामान्य कोच की गहन तलाशी ली। तलाशी के दौरान उक्त बैग सुरक्षित बरामद कर आरपीएफ पोस्ट हरदा लाया गया तथा तत्काल यात्री को इसकी सूचना दी गई।

यात्री के आरपीएफ पोस्ट पहुंचने पर आवश्यक पहचान एवं सत्यापन की प्रक्रिया पूरी की गई। इसके उपरांत बैग में रखे एचपी कंपनी के लैपटॉप, चार्जर, महत्वपूर्ण दस्तावेज एवं अन्य सामान, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 70,000 थी, विधिवत सुपुर्दगीनामा तैयार कर यात्री को सौंप दिया गया।

अपना खोया हुआ सामान सुरक्षित वापस मिलने पर यात्री एवं उसके परिजनों ने रेलवे सुरक्षा बल की त्वरित कार्रवाई, सतर्कता एवं संवेदनशील कार्यशैली की सराहना करते हुए आरपीएफ का आभार व्यक्त किया।

रेलवे सुरक्षा बल ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा के दौरान अपने सामान पर सतत निगरानी रखें तथा किसी भी प्रकार की आपात स्थिति अथवा सामान खोने की सूचना तुरंत निकटतम आरपीएफ पोस्ट अथवा रेल मदद के माध्यम से दें, ताकि शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने झाबुआ के थांदला में जनता का अभिवादन किया।

भोजशाला के पास हुई जुमे की नमाज, SC के आदेश के बाद जिला प्रशासन ने खसरा नंबर 612 पर उपलब्ध कराई जगह

धार (ए.)। मध्य प्रदेश के धार स्थित विवादित भोजशाला-कमाल मौला परिसर के समीप शुक्रवार को मुस्लिम समुदाय ने पहली बार जुमे की नमाज अदा की। यह नमाजक सुप्रीम कोर्ट द्वारा एक दिन पहले दी गई अनुमति के बाद आयोजित की गई।

जिला प्रशासन और मुस्लिम समाज के प्रतिनिधियों की बैठक में सर्वे नंबर 612 स्थित स्थान को नमाज के लिए चयनित किया गया। प्रशासन ने नमाज के लिए आवश्यक सभी व्यवस्थाएं और सुरक्षा इंतजाम किए। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट द्वारा मई में भोजशाला-कमाल मौला परिसर को देवी सरस्वती का मंदिर घोषित किए जाने और परिसर में शुक्रवार की नमाज की अनुमति देने वाले भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) के पुराने आदेश को रद्द किए जाने के बाद यह पहली जुमे की नमाज थी। इससे पहले गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम समुदाय को भोजशाला परिसर से सटी दरगाह परिसर में प्रत्येक शुक्रवार दोपहर 1 बजे से 3 बजे के बीच नमाज अदा करने की अनुमति दी थी। साथ ही राज्य सरकार को आवश्यक व्यवस्थाएं

सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था। धार कलेक्टर राजीव रंजन मीणा ने बताया कि अदालत के निर्देशों के अनुरूप प्रशासन ने नमाज के लिए सभी आवश्यक इंतजाम किए हैं। स्थानीय रहवासियों के तीखे विरोध के चलते क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया। हालांकि, प्रशासनिक अमले और पुलिस की मुस्तैदी से स्थिति पर काबू पा लिया गया।

बारिश के बीच प्रशासन ने की व्यवस्था

शुक्रवार को बारिश के कारण जमीन गीली हो गई थी, जिसके चलते प्रशासनिक अमले ने नमाजियों के लिए तिरपाल की व्यवस्था की। सुरक्षा के कड़े इंतजाम करते हुए पूरे इलाके की बैरिकेडिंग कर दी गई थी और किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया था।

विरोध को किया शांत

नमाज के आयोजन की जानकारी मिलते ही स्थानीय रहवासी मौके पर एकत्र हो गए और उन्होंने नमाज का पुरजोर विरोध किया। कहना था कि जिस जमीन पर नमाज की अनुमति दी गई है, वह उनकी निजी भूमि है। वे इस जमीन पर लंबे समय से खेती करते आ रहे हैं।

एसडीएम के आश्वासन के बाद शांत हुआ मामला

घटना की सूचना मिलते ही उपखंड अधिकारी (SDM) राजकुमार हलदर अपनी टीम के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्थिति को संभाला। एसडीएम ने विरोध कर रहे ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि उनकी आपत्तियों की पूरी और निष्पक्ष सुनवाई की जाएगी। प्रशासन के इस लिखित व मौखिक आश्वासन के बाद ही प्रदर्शनकारी शांत हुए।

भोजशाला को माना मंदिर

उल्लेखनीय है कि 15 मई को मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने अपने 242 पृष्ठों के फैसले में वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर भोजशाला के धार्मिक स्वरूप को मां सरस्वती के मंदिर के रूप में माना था। साथ ही एएसआई के वर्ष 2003 के उस आदेश को निरस्त कर दिया था, जिसके तहत मुस्लिम समुदाय को परिसर में शुक्रवार की नमाज की अनुमति दी गई थी।

वर्दी की मर्यादा तार-तार : नशे में धुत पुलिसकर्मी ने सड़क पर किया तमाशा, कपड़े उतारे तो कभी गालियां देता दिखा

रायसेन (ए.)। रायसेन जिले में वर्दी का रुतबा और अनुशासन उस समय शर्मसार हो गया, जब रायसेन कोतवाली में पदस्थ एक

पुलिसकर्मी शराब के नशे में सड़क पर अर्धनग्न हालत में मिला। घटना कोतवाली से महज एक किलोमीटर दूर स्थित शराब दुकान के सामने की है। नशे में चूर पुलिसकर्मी ने करीब आधे घंटे तक सार्वजनिक स्थान पर अभद्र हरकतें कीं। इसका वीडियो बनाकर किसी ने सोशल मीडिया पर डाल दिया, जो अब तेजी से वायरल हो रहा है।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बुधवार शाम कोतवाली में तैनात ASI ओपी बरखड़े शराब पीकर दुकान से बाहर निकले। नशे में वह अपना संतुलन खो चुके थे। पहले तो उन्होंने दुकान के सामने ही अभद्र व्यवहार किया। इसके बाद बीच सड़क पर बैठकर कपड़े उतारने लगे। आसपास मौजूद लोगों ने जब उन्हें टोका तो वह गाली-गलौज करने लगे। इसके बाद वह सड़क किनारे लुढ़क गए और वहीं पड़े रहे। करीब आधे घंटे तक यह तमाशा चलता रहा। राहगीर और दुकानदार तमाशबीन बने देखते रहे।

सोनम रघुवंशी के गहनों को पहचानने के लिए राजा के भाई को पुलिस ने बुलाया शिलांग

इंदौर (ए.)। अपने पति को हनीमून के बहाने शिलांग ले जाकर हत्या करने वाली सोनम रघुवंशी ने आत्मसमर्पण कर दिया है। उधर, हत्याकांड के केस में ट्रायल भी शुरू हो गया है। पुलिस ने राजा रघुवंशी के भाई विपिन को शिलांग बुलाया था।

दरअसल, इस केस में प्रॉपर्टी ब्रोकर शिलोम जेम्स भी आरोपी है। उसके रतलाम स्थित घर से सोनम के गहने बरामद किए गए थे। उनमें वे गहने भी थे, जो शादी में राजा के परिजनों ने सोनम को भेंट किए थे। विपिन ने शिलांग पहुंचकर गहनों की पहचान की। विपिन का कहना है कि उनके परिवार को कानून पर पूरा भरोसा है। राजा की हत्या के मामले में पुलिस के पास सोनम के खिलाफ पुख्ता सबूत हैं। उसे कड़ी सजा मिलेगी।

भाई, माता-पिता थे साथ

विपिन ने आरोप लगाया कि जब सोनम ने आत्मसमर्पण किया, तो शिलांग में उसका भाई, माता और पिता साथ थे। चारों एक गेस्ट हाउस में रुके थे। यह जानकारी विपिन को पुलिस से मिली। विपिन का कहना है कि गोविंद हमेशा यह बोलता है कि वह सोनम का साथ नहीं दे रहा है, लेकिन वह झूठ बोल रहा है। जब सोनम को जमानत मिली थी, तब भी उसके पिता शिलांग में थे।

पन्ना में रिश्तों का कत्लः जमीन विवाद में कलयुगी बेटे ने मां की डंडे से पीटकर की हत्या, कुएं रखा था हथियार

पन्ना (ए.)। पन्ना जिले के पवई थाना क्षेत्र में जमीन के एक टुकड़े के विवाद ने एक बेटे को इस हद तक अंधा बना दिया कि उसने अपनी ही मां की बेरहमी से हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी ने घटना के साक्ष्य मिटाने की कोशिश करते हुए वारदात में इस्तेमाल किया गया डंडा एक सूखे कुएं में फेंक दिया। हालांकि, पवई पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा कर दिया।

जमीनी विवाद के चलते कलयुगी पुत्र ने की मां की हत्या

जानकारी के अनुसार, थाना पवई क्षेत्र के ग्राम कमता निवासी शंकरदयाल पांडे ने 29 जुलाई की दोपहर करीब 12 बजे पुलिस को सूचना दी कि उनके बेटे रामदयाल पांडे (26) ने जमीनी विवाद के चलते अपनी मां शीला पांडे (42) पर डंडे से हमला कर दिया। लगातार किए गए हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गईं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

पत्नी के मायके जाने से नाराज दामाद कट्टा लेकर पहुंचा ससुराल, मशक्कत के बाद पुलिस ने पकड़ा

ग्वालियर (ए.)। ग्वालियर में पत्नी के मायके जाने से नाराज एक दामाद का हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। आरोपी कट्टा लेकर अपनी ससुराल पहुंच गया और साले से विवाद के बाद फायरिंग कर दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन आरोपी कट्टा लेकर घर की छत पर चढ़ गया और नीचे आने से इनकार कर दिया। करीब दो घंटे तक चले घटनाक्रम के बाद पुलिस ने समझाइश देकर उसे नीचे उतारा, हथियार जब्त किया और हिरासत में ले लिया।

घटना तिघरा थाना क्षेत्र के सोजना गांव की है। पुलिस के अनुसार, गांव निवासी अरविंद गुर्जर ने सूचना दी कि उसके बड़े भाई का दामाद जोगेंद्र गुर्जर हथियार लेकर ससुराल पहुंचा है और विवाद कर रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची।

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि जोगेंद्र और उसकी पत्नी के बीच किसी बात को

लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद पत्नी अपने मायके आ गई थी। इसी बात से नाराज जोगेंद्र ससुराल पहुंचा और साले के साथ गाली-गलौज करने लगा।

आरोप है कि विवाद के दौरान उसने कट्टे से एक फायर भी किया, जिससे गांव में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। पुलिस के पहुंचते ही जोगेंद्र कट्टा लेकर घर की छत पर चढ़ गया और काफी देर तक नीचे उतरने से मना करता रहा। उसने पुलिस से कहा कि उसके ससुराल वाले उसके वैवाहिक जीवन में लगातार दखल देते हैं और पति-पत्नी के बीच मामूली विवाद होने पर भी उसकी पत्नी को मायके ले जाते हैं। इसी बात से वह नाराज था।

तिघरा थाना पुलिस ने आरोपी को शांत करने के लिए लगातार समझाइश दी। पुलिस ने उसे भरोसा दिलाया कि दोनों पक्षों को बैठाकर बातचीत के जरिए विवाद का समाधान कराया जाएगा। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद जोगेंद्र मान गया और छत से नीचे उतर आया। इसके बाद पुलिस ने उसके कब्जे से कट्टा जब्त कर लिया और उसे हिरासत में ले लिया।

सीएसपी रोबिन जैन ने बताया कि आरोपी के खिलाफ फायरिंग और आर्म्स एक्ट सहित संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है।

कौन हैं सीएसपी नेहा पच्चीसिया? जिनकी अवैध वसूली मामले में बढ़ी मुश्किलें, जांच जबलपुर एएसपी को सौंपी गई

कटनी (ए.)। कटनी में पदस्थ नगर पुलिस अधीक्षक नेहा पच्चीसिया के खिलाफ भ्रष्टाचार और गंभीर शिकायतों का दायरा बढ़ गया है। शुरुआती तौर पर कटनी एएसपी कमल मौर्य मामले की जांच कर रहे थे। लेकिन अब शिकायतकर्ता महेंद्र जैन ने खुले तौर पर सीएसपी नेहा पच्चीसिया पर अवैध वसूली करने का आरोप लगाया है।

फिलहाल मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) ने सीएसपी के विरुद्ध चल रही दोनों प्रमुख जांचों को कटनी पुलिस से हटाकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जबलपुर अनु बेनीवाल को सौंप दी हैं। जहां आज शिकायतकर्ता और गवाह जबलपुर पहुंचकर जबलपुर एएसपी अनु बेनीवाल के समक्ष बयान देंगे।

कौन हैं नेहा पच्चीसिया

मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले के पचोर तहसील के छोटे से गांव में रहने वाले एक शिक्षक की बेटी हैं नेहा पच्चीसिया। उनके पिता शिक्षक हैं, जबकि

मां गृहणी हैं। पच्चीसिया ने 2012 से 2016 तक पीएससी के प्रिलिम्स और मेन्स एग्जाम दिए। फिर जब एक साथ 2016 में इंटरव्यू हुए तो वे एक साथ चारों एग्जाम में सिलेक्ट हो गई थीं। वह एमपीपीएससी में 20वीं रैंक हासिल कर खूब सुर्खियां बटोरी थी।

नौकरी छोड़कर की थी तैयारी

पच्चीसिया ने एयर होस्टेस की नौकरी छोड़कर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी शुरू की। पहली नौकरी उन्हें महिला एवं बाल विकास विभाग में मिली थी। लगातार तैयारी करने के बाद वह डीएसपी के पद पर वर्ष 2016 में चयनित हुईं। कोरोना काल में अच्छा कार्य करने और कानून-व्यवस्था बेहतर संभालने के लिए तत्कालीन सीएम शिवराज सिंह चौहान ने उन्हें पुरस्कृत भी किया था।

कभी सबसे खूबसूरत महिला अधिकारियों में शुमार थीं नेहा

मध्यमवर्गीय परिवार की चार बहनों में सबसे बड़ी बेटी नेहा पच्चीसिया डीएसपी बनने से पहले एयर होस्टेस थीं। वह कई मल्टीनेशनल कंपनियों में नौकरी करने के साथ ही एमपी पीएससी की परीक्षाएं दे रही थीं और उनका चयन डीएसपी के पद पर हुआ। एक समय वह मध्य प्रदेश की सबसे खूबसूरत महिला अधिकारियों में शुमार थीं, लेकिन वर्दी की नौकरी में आने के बाद उनका विवादों से रिश्ता रहने लगा है।

ईपीएफओ के पूर्व क्षेत्रीय आयुक्त को रिश्वत केस में पांच साल की सजा, अदालत ने की सख्त टिप्पणी

सागर (ए.)। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO) सागर के तत्कालीन क्षेत्रीय आयुक्त सतीश कुमार को बीड़ी कारोबारी से पांच लाख रुपये की रिश्वत लेने के मामले में दोषी करार देते हुए विशेष अदालत ने पांच वर्ष के सश्रम कारावास और पांच लाख रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। विशेष न्यायाधीश शहाबुद्दीन हाशमी की अदालत ने आरोपी की बीमारी और पारिवारिक परिस्थितियों के आधार पर सजा में राहत देने की मांग खारिज कर दी। अदालत ने टिप्पणी की कि भ्रष्टाचार समाज में प्लेग और कैंसर जैसी गंभीर बीमारी की तरह फैल रहा है। ऐसे मामलों में नरमी बरतना समाज के लिए गलत संदेश होगा।

वर्ष 2022 का है मामला

मामला वर्ष 2022 का है। प्रसिद्ध बीड़ी निर्माता कंपनी मेसर्स बीआर एंड कंपनी के साझेदार अनिरुद्ध पिंपलापुरे ने आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (EOW) से शिकायत की थी।

व्यापार समाचार

त्योहारों से पहले खाद्य तेल होगा महंगे? सूरजमुखी तेल पर संकट गहराया, पाम व सोयाबीन ऑयल में भी तेजी के संकेत

नई दिल्ली (ए.)। देश में त्योहारों का सीजन दस्तक दे रहा है और इसी बीच खाद्य तेलों की मांग आसमान छूने लगी है। इससे एक बार फिर रसोई का बजट बिगड़ने के आसार बन गए हैं। काला सागर क्षेत्र में जंग और रूस-यूक्रेन युद्ध गहराने के कारण सूरजमुखी तेल की आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हुई है। भारत आने वाले जहाजों में 60 दिनों तक की देरी हो रही है, जिससे देश में खाद्य तेल महंगा होना तय माना जा रहा है। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्ट एसोशिएशन ऑफ इंडिया के मुताबिक, चालू तेल वर्ष (2025-26) में जून 2026 के दौरान देश में खाद्य तेलों का आयात सालाना आधार पर 29 फीसदी घटा है। इससे तेल की उपलब्धता घटेगी जिसका सीधा असर कीमतों में बढ़ोतरी के रूप में दिख सकता है। मई 2026 में 13.39 लाख टन खाद्य तेलों का आयात हुआ था, जो जून में 11.11 लाख टन पर आ गया। पाम तेल का आयात 10.5 फीसदी घटकर 4.87 लाख टन रह गया।

सोयाबीन तेल आयात 23 फीसदी गिरकर 3.81 लाख टन रह गया।

कैसे पैदा हुआ खाद्य तेल का संकट?

दुनिया के कुल सूरजमुखी तेल निर्यात में रूस और यूक्रेन की हिस्सेदारी 63 फीसदी है। यूक्रेन के ड्रोन हमलों में रूस के बंदरगाहों को निशाना बनाने से काला सागर का समुद्री मार्ग जहाजों के लिए असुरक्षित हो गया है। इसके चलते आयातकों के दर्जनों जहाज फंस गए हैं। भारत अपनी जरूरत का ज्यादातर सूरजमुखी तेल इसी क्षेत्र से मंगाता है। इस साल कमजोर मानसून के कारण तिलहन की बुवाई पिछड़ गई है। अब तक 163.54 लाख हेक्टेयर में तिलहन की बुवाई हुई है, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 3.45 फीसदी कम है। तिलहन का सामान्य क्षेत्रफल 200 लाख हेक्टेयर है। घरेलू उत्पादन घटने की आशंका से आयात पर पहले से निर्भरता ज्यादा बढ़ गई है।

18 फीसदी महंगे हुए खाद्य तेल

खाद्य तेल (1 किग्रा)	30 जुलाई	पहले	वृद्धि (%)
सूरजमुखी तेल	189.56	160.55	18.07
पाम तेल	148.60	129.87	14.42
सोया तेल	164.62	147.09	11.92
मूंगफली तेल	206.18	188.83	9.19
सरसों तेल	196.46	183.80	6.89

भारत में एप्पल ने फिर तोड़ा रिकॉर्ड, तिमाही में सबसे ज्यादा कमाई : टिम कुक

नई दिल्ली (आरएनएस) ,। एप्पल के सीईओ टिम कुक ने कहा कि कंपनी ने भारत समेत हर भौगोलिक क्षेत्र में जून-क्वार्टर के रेवेन्यू रिकॉर्ड बनाए। ये नतीजे सप्लाई चेन में बहुत बड़ी रुकावटों और विदेशी मुद्रा से जुड़ी चुनौतियों के बावजूद आए। एप्पल कंपनी ने 109.4 बिलियन डॉलर का तिमाही रेवेन्यू दर्ज किया, जो पिछले साल के मुकाबले 16 प्रतिशत ज्यादा है। कंपनी का ग्रॉस मार्जिन 50.1 प्रतिशत रहा, जिसमें टैरिफ रिफंड से लगभग 2 प्रतिशत अंक का फायदा शामिल है। प्रति शेयर डाइल्यूटेड अर्निंग 2.02 डॉलर रही, जो पिछले साल के मुकाबले 29 प्रतिशत ज्यादा है।

सोना और चांदी गिरावट के साथ खुले, आधा प्रतिशत से अधिक लुढ़के दाम

मुंबई (आरएनएस)। सोने और चांदी शुक्रवार को गिरावट के साथ खुले। शुरुआती कारोबार में दोनों कीमती धातुओं का दाम करीब आधा प्रतिशत तक फिसल गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अगस्त, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,43,232 रुपए प्रति 10 ग्राम के मुकाबले 1,42,929 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला। फिलहाल 9:50 पर यह 0.58 प्रतिशत या 832 रुपए की कमजोरी के साथ 1,42,400 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था।

अब तक के कारोबार में सोने ने 1,42,253 रुपए प्रति 10 ग्राम का न्यूनतम स्तर और 1,42,929 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ। सोने के साथ चांदी में भी कमजोरी के साथ कारोबार हो रहा है।

बैंक की इस सीक्रेट सर्विस से बिना कुछ किए खाते में मिलेगा 3 गुना ब्याज, तुरंत जानें तरीका

नई दिल्ली (आरएनएस)। जब भी आप किसी बैंक में अपना सेविंग अकाउंट खुलवाते हैं, तो बैंक कर्मचारी आपको एटीएम, डेबिट कार्ड और खाते पर मिलने वाले साधारण ब्याज की जानकारी देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि बैंकों की एक ऐसी खास और सीक्रेट सर्विस भी है जो आपके सेविंग अकाउंट पर मिलने वाले ब्याज को सीधा तीन गुना तक बढ़ा सकती है। इस सर्विस के जरिए आपको अपने साधारण बचत खाते पर भी फिक्स्ड डिपॉजिट जितना शानदार ब्याज मिल सकता है। हैरानी की बात यह है कि बैंक में खाता खुलवाने वाले हर ग्राहक को मिलने वाली इस धांसू सुविधा के बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी होती है। इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए आपको केवल बैंक जाकर इसे इनेबल करने के लिए कहना होता है।हम जिस खास सुविधा की बात कर रहे हैं, उसे बैंकिंग की भाषा में 'बैंक ऑटो स्वीप सर्विस' कहा जाता है। यह एक ऐसी कमाल की फैसिलिटी है जो ग्राहकों को उनके सरप्लस फंड पर अधिकतम ब्याज दिलाने में मदद करती है।

भारतीय शेयर बाजार मजबूत वैश्विक संकेतों से हरे निशान में खुला, डिफेंस और मैन्युफैक्चरिंग में खरीदारी

मुंबई (आरएनएस)। मजबूत वैश्विक संकेतों से भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार के कारोबारी सत्र में हरे निशान में खुला। इस दौरान सेंसेक्स 70 अंक या 0.09 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 77,998 और निफ्टी 44 अंक या 0.18 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,361 पर था। शुरुआती कारोबार में बाजार को सपोर्ट डिफेंस और मैन्युफैक्चरिंग जैसे सेक्टर्स से मिल रहा था। सूचकांकों में निफ्टी इंडिया डिफेंस और निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग करीब एक प्रतिशत की तेजी के साथ टॉप गेनर्स थे। इसके अलावा, निफ्टी फार्मा, निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी ऑटो, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी मेटल, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी इन्फ्रा, निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी कमोडिटी और निफ्टी एनर्जी भी हरे निशान में थे।

बिना इथेनॉल के इतने रुपए लीटर बिकता पेट्रोल, संसद में सरकार ने E20 फ्यूल से जुड़े हर सवाल का दिया जवाब

नई दिल्ली (आरएनएस)। पेट्रोल पंप पर गाड़ी की टंकी फुल कराते समय क्या आपने कभी सोचा है कि अगर पेट्रोल में इथेनॉल की मिलावट न हो, तो आपको इसके लिए कितनी भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है? ग्लोबल मार्केट में मचे हाहाकार और कच्चे तेल की आसमान छूती कीमतों के बीच सरकार ने संसद में पेट्रोल की असली कीमत का पूरा गणित खोलकर रख दिया है। सरकार ने साफ किया है कि इथेनॉल ब्लेंडिंग नीति ने कैसे एक मजबूत 'ढाल' की तरह काम करते हुए आम जनता को महंगे पेट्रोल की मार से बचाया है और साथ ही तेल आयात पर देश की निर्भरता को भी काफी हद तक कम किया है।

125 रुपये तक पहुंच सकता था पेट्रोल का दाम

लोकसभा में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने एक लिखित जवाब में चौंकाने वाले आंकड़े पेश किए। उन्होंने बताया कि जब मिडिल ईस्ट में तनाव के कारण कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) की कीमतें 135 डॉलर प्रति बैरल के भारी-भरकम स्तर पर पहुंच गई थीं, तब भारत में बिना इथेनॉल वाले पेट्रोल की कीमत 125 रुपये प्रति लीटर के पार जा सकती थी। लेकिन, सरकार की दूरदर्शी इथेनॉल ब्लेंडिंग नीति, कच्चे तेल की पर्याप्त उपलब्धता और तेल कंपनियों की शानदार खरीद रणनीति के चलते देशवासियों को पेट्रोल 94.77 रुपये प्रति लीटर की दर से उपलब्ध कराया जा सका।

E20 पेट्रोल से इंजन खराब होने का डर एकदम बेबुनियाद

वाहन चालकों के बीच अक्सर यह भ्रम रहता है कि इथेनॉल मिला हुआ (E20) पेट्रोल पुरानी या नई गाड़ियों के इंजन को बर्बाद कर देता है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

आय में सुस्ती

आम जन का जीवन स्तर गतिरुद्ध हो, शिक्षा उज्ज्वल भविष्य की सीढ़ी नज़र ना आ रही हो, और बेरोजगारी से निपटने के उपाय दिखावटी बन गए हों, तो कैसी सामाजिक शांति की आशा की जा सकती है?

विभिन्न जन समूहों में असंतोष क्यों फैल रहा है, सरकार चाहे तो इसे खुद अपने आंकड़ों से समझ सकती है। खुद उसकी नीतियों ने युवा वर्ग में भविष्य के प्रति निराशा भरी है, तो बहुसंख्यक ग्रामीण आबादी की जिंदगी को दूभर बनाया है। कुछ बानगियों पर गौर कीजिए। 2024 में युवा बेरोजगारी दूर करने के लिए धूम-धड़ाके से शुरू की गई प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना अपने लक्ष्य से 99 प्रतिशत पीछे चल रही है। कॉरपोरेट मंत्रालय ने एक आरटीआई अर्जी पर बताया कि 30 अप्रैल 2026 तक कंपनियों ने 2.97 लाख इंटर्नशिप अवसर पैदा किए, जो दो साल के लक्ष्य का लगभग दसवां हिस्सा है। तस्वीर और निराशाजनक हो जाती है, जब ध्यान जाता है कि वास्तविक ऑफर 1.73 लाख ही रह गए।

इनमें से जिन लोगों को ऑफ़र दिए गए, उनमें से लगभग 18,000 लोग ही काम पर पहुंचे। उनमें से केवल 5,200 लोग अंत तक टिके पाए। इस बीच ये आंकड़ा भी चर्चित हुआ है कि केंद्रीय बजट में शिक्षा मंत्रालय के लिए आवंटन 2013-14 (4.6 फीसदी) की तुलना में 2025-26 में आधा (2.5 प्रतिशत) रह गया है। इसी बीच राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) की एक ताजा रिपोर्ट से सामने आया है कि सिर्फ 27.7 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों की आय में पिछले वर्ष वृद्धि दर्ज हुई। यह सितंबर 2024 से शुरू हुए इस सर्वे का सबसे निचला स्तर है। इसके मुताबिक 52.6 फीसदी परिवारों की आय में कोई बदलाव नहीं हुआ, जबकि 19.8 प्रतिशत परिवारों की आय गिरी।

यानी 72 फीसदी परिवारों के जीवन स्तर में सुधार दर्ज नहीं हुआ। आय में सुस्ती और वित्तीय दबाव के कारण अनौपचारिक माध्यमों (जैसे रिश्तेदारों, दोस्तों, या स्थानीय साहूकारों) से कर्ज लेने वालों की संख्या तेजी से बढ़ी है। ऐसे परिवारों की संख्या 23.6 प्रतिशत हो गई है। जब इस तरह लोगों का जीवन स्तर गतिरुद्ध हो, जमीनी स्तर पर अपनी जर्जर स्थिति के कारण शिक्षा उज्ज्वल भविष्य की सीढ़ी अब नज़र ना आ रही हो, और विकराल बेरोजगारी से निपटने के उपाय दिखावटी बन कर रह जाएं, तो समाज में कैसी स्थिरता और शांति की आशा की जा सकती है?

सचमुच नई पीढ़ी का आंदोलन

हरिशंकर व्यास

नीट यूजी पेपर लीक के खिलाफ जंतर मंतर का आंदोलन सचमुच नई पीढ़ी का आंदोलन थे। सिर्फ इस लिहाज से नहीं कि नई पीढ़ी के लोग इसमें शामिल हुए। वह एक पहलू है कि वयस्क होने से पहले की उम्र वाले किशोर और युवा इस आंदोलन का हिस्सा बने। इस लिहाज से भी यह नई पीढ़ी का आंदोलन था कि इसमें नए साधनों और नए माध्यमों का खुल कर इस्तेमाल हुआ। छात्र और युवा सोशल मीडिया के जरिए अपना नैरेटिव बना रहे हैं। उनकी रचनात्मकता देखना वाली है। वे पारंपरिक मीडिया या पुराने व स्थापित सोशल मीडिया हैंडल्स के भरोसे नहीं हैं। वे अपना कंटेंट तैयार कर रहे हैं और उसे प्रचारित कर रहे हैं।तभी उनके ऊपर इस बात का असर नहीं पड़ा कि मीडिया या सोशल मीडिया इसको कैसे दिखाता है और सरकार किस तरह से इसकी साख बिगाड़ने का प्रयास करती है। वह प्रयास होता रहा लेकिन उस पर भारी युवाओं का अपना कंटेंट था। उन्होंने बहुत प्रभावी तरीके से सोशल मीडिया का इस्तेमाल किया।इसी तरह ऐप बेस्ड सेवाओं का इस्तेमाल जैसा इस आंदोलन में हुआ वैसा पहले कभी नहीं हुआ। वैसे भी नए समय का पहला बड़ा आंदोलन है। तभी कई दिन तक नई दिल्ली के आसपास के सारे मेट्रो स्टेशन बंद रहने पर भी छात्रों को परेशानी नहीं हुई। उन्होंने सबके रास्ते निकाले। ऐप बेस्ड कैब सेवाएं हों या ऐप बेस्ड फूड डिलीवरी की सेवा हो, जंतर मंतर पर सबका इस्तेमाल हुआ।इसी तरह आंदोलनकारी अपने नारों और कंटेंट में भी बहुत अलग हैं। वे पुराने नारों से अपनी लड़ाई नहीं लड़ रहे हैं। बहुत लोगों को बुरा लगा है और वे पुराने जमाने के नारे लिख कर बता रहे हैं कि पहले कितना सारगर्भित और साफ सुथरा नारा हुआ करता था। यह भी कहा जा रहा है कि युवाओं के नारे अश्लील हैं और इससे उनका आंदोलन प्रभावित हो रहा है। लेकिन इस तरह की बातों से युवाओं पर कोई असर नहीं पड़ा है। वे बिना किसी शर्मिंदगी या बिना किसी माफीनामे के अपनी बात कह रहे हैं। पहली बार सरकार और भाजपा के पूरे इकोसिस्टम को लगा कि छात्रों व युवाओं के जिस समूह के साथ प्रधानमंत्री परीक्षा पर चर्चा करते थे या जिनके लिए एग्जाम वारियर्स नाम से किताब लिखी है वे नाराज होते हैं तो क्या कर सकते हैं? अब तक सरकार ने उनका सद्भाव देखा था लेकिन अब उन्होंने नाराजगी दिखाई है। सद्भाव और समर्थन दिखाने का उनका तरीका भी वैसा था, जैसे विरोध दिखाने का है।

राष्ट्र का वह ऋषि, जिसने विचारों को तिरंगे में बदल दिया

पिंगली वेंकैया — कल्पित समुदाय को मूर्त रूप देने वाले सपनों का शिल्पकार

कृति आरके जैन

राष्ट्र केवल सीमाओं, शासन या संविधान से नहीं बनते; वे उन प्रतीकों से गढ़े जाते हैं जिनमें करोड़ों लोगों की साझा स्मृतियाँ, आकांक्षाएँ और विश्वास बसते हैं। इतिहासकारों के अनुसार राष्ट्र की आत्मा उसके साझा प्रतीकों में झलकती है। इतिहासकार बेनेडिक्ट एंडरसन ने राष्ट्र को कल्पित समुदाय कहा—ऐसा समुदाय, जिसके अधिकांश लोग कभी एक-दूसरे से नहीं मिलते, फिर भी एक परिवार का हिस्सा मानते हैं। इस अदृश्य भाव को मूर्त रूप राष्ट्रीय ध्वज देता है। भारत को यह पहचान तिरंगे ने दी, किंतु उसे आकार देने वाले पिंगली वेंकैया लंबे समय तक राष्ट्रीय स्मृति के हाशिए पर रहे। 2 अगस्त केवल उनकी जयंती नहीं, बल्कि उस मनीषा को स्मरण करने का अवसर है जिसने भारत की राष्ट्रीय चेतना को तिरंगे में साकार किया। पिंगली वेंकैया का जीवन सिद्ध करता है कि असाधारण योगदान सत्ता के केंद्रों से नहीं, जिज्ञासा और समर्पण से जन्म लेते हैं। 2 अगस्त 1876 को आंध्र प्रदेश के मछलीपट्टनम के निकट भटलापेनुमरु में जन्मे वेंकैया भाषाओं के अध्येता, भूविज्ञान के विद्यार्थी और कृषि विज्ञान के शोधकर्ता थे। युवावस्था में ब्रिटिश भारतीय सेना के साथ वे दक्षिण अफ्रीका पहुँचे, जहाँ महात्मा गांधी से हुई भेंट ने उनके चिंतन को नई दिशा दी। उन्होंने समझा कि स्वतंत्रता केवल राजनीतिक संघर्ष नहीं, बल्कि ऐसे राष्ट्रीय प्रतीकों पर भी टिकी है, जिनमें पूरा राष्ट्र स्वयं को पहचान सके। यही उनका जीवन-ध्येय बना। उन्होंने व्यक्तिगत उपलब्धियों से अधिक उस राष्ट्रीय पहचान को महत्व दिया, जो पीढ़ियों को एक सूत्र में बाँध सके। वेंकैया की सबसे बड़ी विशेषता थी कि उन्होंने ध्वज का निर्माण भावनाओं से नहीं, गहन अध्ययन से किया। दो दशकों तक उन्होंने अनेक देशों के ध्वजों का तुलनात्मक अध्ययन कर समझा कि रंग, आकार और प्रतीक राष्ट्रीय चरित्र के वाहक कैसे बनते हैं। 1916 में प्रकाशित ए नेशनल फ्लैग फ़ॉर इंडिया उनके इसी शोध का दस्तावेज़ थी। यह केवल ध्वज का प्रारूप नहीं, भारतीय ध्वज की वैचारिक रूपरेखा थी। प्रारंभ में

लाल और हरे रंग सामाजिक समरसता के प्रतीक थे। महात्मा गांधी के सुझाव पर सफेद रंग और चरखा जुड़े, जिससे सत्य, शांति, स्वदेशी और आत्मनिर्भरता तिरंगे के मूल मूल्य बने। यही सिद्ध करता है कि राष्ट्रीय प्रतीक किसी एक व्यक्ति की कल्पना नहीं, सामूहिक मंथन और समय की आवश्यकताओं से आकार लेते हैं।1921 में विजयवाड़ा में हुए अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के अधिवेशन में वेंकैया ने अपना ध्वज-प्रारूप गांधीजी के सामने प्रस्तुत किया। वह कपड़े का टुकड़ा नहीं, स्वतंत्र भारत की भावी पहचान था। बाद में चरखे के स्थान पर सम्राट अशोक के सारनाथ स्तंभ से प्रेरित धर्मचक्र अपनाया गया। 24 तीलियों वाला धर्मचक्र गति, न्याय, कर्तव्य, संतुलन और निरंतर प्रगति की भारतीय जीवन-दृष्टि का प्रतीक है। 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा ने संशोधित तिरंगे को भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रूप में स्वीकार किया। उस दिन केवल ध्वज नहीं, भारत की बहुलता, लोकतांत्रिक चेतना और सांस्कृतिक निरंतरता भी स्वीकृत हुई। तभी से तिरंगा केवल स्वतंत्रता का प्रतीक नहीं, भारतीय सभ्यता के आत्मविश्वास का उद्घोष बन गया।15 अगस्त 1947 को जब तिरंगा स्वतंत्र भारत के आकाश में लहराया, तब करोड़ों लोगों ने उसमें अपनी आशाओं का भविष्य देखा। किंतु उस क्षण के पीछे खड़े पिंगली वेंकैया का जीवन किसी विजेता का नहीं, कर्मयोगी का रहा। यह विडंबना केवल भारत की नहीं। इतिहासकार एरिक हॉब्सबॉम ने लिखा है कि राष्ट्र अपने प्रतीकों को सहेज लेते हैं, पर उन्हें गढ़ने वाले व्यक्तित्व स्मृति से ओझल हो जाते हैं। वेंकैया भी इसी विडंबना के शिकार बने। अंतिम वर्षों में उन्हें सम्मान, आर्थिक सुरक्षा और राष्ट्रीय पहचान नहीं मिली, जिसके वे अधिकारी थे। 1963 में उनका निधन हुआ, किंतु बाद में देश ने जाना कि तिरंगे के पीछे एक ऐसा साधक था, जिसने अपना सर्वस्व भारत को समर्पित किया, बदले में कुछ नहीं माँगा।किसी भी राष्ट्र की परिपक्वता का माप उसके स्मारकों या उत्सवों से नहीं, बल्कि गुमनाम निर्माताओं की स्मृति से होता है। हम ध्वज को सलामी देते हैं, राष्ट्रगान पर खड़े होते हैं और राष्ट्रीय पर्व मनाते हैं, किंतु इन प्रतीकों के सर्जकों को कम जानते हैं। यह विस्मृति केवल एक व्यक्ति के साथ अन्याय नहीं, इतिहास-बोध का अभाव है। विद्यालयों, विश्वविद्यालयों और सार्वजनिक विमर्श में पिंगली वेंकैया को तथ्य नहीं, प्रेरणा के रूप में स्थान मिलना चाहिए। जब युवा जानेंगे कि एक बहुभाषी, शोधप्रिय और वैज्ञानिक दृष्टि संपन्न भारतीय ने दीर्घ अध्ययन के बाद तिरंगे की परिकल्पना की, तब वे समझेंगे कि राष्ट्र निर्माण केवल रणभूमि में नहीं, विचार, शोध और सृजन में भी होता है।तिरंगे की सबसे बड़ी शक्ति उसके रंगों में नहीं, बल्कि उनसे जुड़े मूल्यों में है। केसरिया त्याग और निर्भीकता, श्वेत सत्य, संतुलन और पारदर्शिता, हरा जीवन, विश्वास और समृद्धि का प्रतीक है; जबकि अशोक चक्र बताता है कि ठहराव किसी सभ्यता का स्वभाव नहीं हो सकता। भारतीय दर्शन में धम्मचक्र केवल गति नहीं, बल्कि न्याय, कर्तव्य और मानवीय मूल्यों से संचालित नैतिक गति का प्रतीक है। इसलिए तिरंगे का सम्मान केवल उसे फहराने में नहीं, बल्कि उन आदर्शों को जीवन और सार्वजनिक आचरण में उतारने में है, जिनका वह मौन संदेश देता है।

डिजिटल संप्रभुता में सीधा हस्तक्षेप

-डॉ. आशीष वशिष्ठ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नीट पेपर लीक को लेकर जेन-जी को संबोधित करते हुए जो पहला सेल्फी वीडियो अपलोड किया था, उसे मेटा ने हटा दिया था। यही वीडियो इंस्टाग्राम पर 24 घंटे के भीतर 300 मिलियन से अधिक बार देखा गया था। बाद में जब इस पर हंगामा हुआ, तब कंपनी ने सफाई देते हुए कहा कि वीडियो को जानबूझकर नहीं हटाया गया बल्कि यह एक तकनीकी खामी थी। इतनी बड़ी कंपनी का तकनीकी खामी का तर्क आसानी से गले नहीं उतरता। समर्थकों का आरोप है कि यह एक सोची-समझी साजिश है ताकि सरकार की बात करोड़ों युवाओं तक पहुंचने से रोका जा सके। फिलहाल यह मामला सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की नीतियों, कंटेंट मॉडरेशन और डिजिटल जवाबदेही को लेकर नई बहस का विषय बन गया है।वास्तव में, मेटा द्वारा प्रधानमंत्री मोदी के वीडियो सेंसर करना भारतीय लोकतंत्र और डिजिटल संप्रभुता में सीधा हस्तक्षेप है। यह कोई सामान्य कंटेंट मॉडरेशन नहीं है बल्कि एक विदेशी प्लेटफॉर्म द्वारा यह तय करने की तानाशाही कोशिश है कि भारतीय नागरिक क्या देख सकते हैं। अमेरिकी सोशल मीडिया कंपनियां दुनियाभर में नैरेटिव तय करके सरकारें बदलने का खेल खेलती रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी की पोस्ट पर रोक लगाना इस बात का प्रमाण है कि उपभोक्ता जो देख रहे हैं, वह कंपनियां तय करती हैं। सोशल मीडिया ने आम आदमी को बहुत बड़ी ताकत दी है। सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म के जरिए लोग बिना किसी रोक-टोक अपनी बात तुरंत लाखों लोगों तक पहुंचाते हैं। लेकिन दुर्भाग्य से संगठित रूप से निगेटिव चीज़ों को प्रचारित करने का प्रयास हो रहा है। सोशल मीडिया ने कई देशों में सरकारों के खिलाफ जन-आंदोलनों को संगठित करने में अहम भूमिका निभाई है। अरब क्रांति, श्रीलंका और बांग्लादेश के हालिया उदाहरण इसके बड़े प्रमाण हैं, जहां डिजिटल प्लेटफॉर्म ने जनता को एकजुट किया। पिछले एक दशक में देश में विपक्ष और विभिन्न संगठनों द्वारा जितने भी आंदोलन हुए हैं, उनमें निगेटिव, फर्जी और भड़काऊ सामग्री प्रचारित-प्रसारित करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफार्म का जमकर प्रयोग हुआ। हालिया कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन में सोशल मीडिया ने बड़ी भूमिका निभाई। सोशल मीडिया पर बनी एक पार्टी के रातोंरात करोड़ों फॉलोअर बन गए। इसके आंदोलन के दौरान सुनियोजित सोशल मीडिया कैंपेन चलाए गए। जनता के बीच अपनी पैठ बनाने के लिए सीजेपी ने उस वामपंथी सोशल मीडिया तंत्र की शरण ली है जो लंबे समय से राष्ट्रवादी आवाजों को दबाने के मिशन में जुटा है।भारत में सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर देश की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक स्थिरता को बिगाड़ने के प्रयास पिछले एक दशक से जारी हैं। फेक न्यूज़, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जनित डीपफेक

और सीमा पार से संचालित होने वाले फर्जी अकाउंट्स के जरिए सुनियोजित ढंग से भ्रम और तनाव पैदा किया जा रहा है। सीएए विरोध प्रदर्शन और किसान आंदोलन दोनों ही प्रमुख घटनाओं के दौरान सोशल मीडिया के दुरुपयोग के कई गंभीर मामले सामने आए थे। इन आंदोलनों के दौरान डिजिटल प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल न केवल सूचना साझा करने के लिए हुआ बल्कि इसके जरिए भारी मात्रा में भ्रामक जानकारियां, अफवाह और नफरत फैलाने वाले कंटेंट प्रसारित किए गए। ये खुला तथ्य है कि वामपंथी और लिबरल इकोसिस्टम ने इन प्लेटफॉर्म्स का इस्तेमाल कर राष्ट्रवादी आवाजों को दबाने और अपनी सहूलियत का नैरेटिव गढ़ने का प्रयास किया, जिसके जवाब में भारत सरकार ने समय-समय पर राष्ट्रीय सुरक्षा और कानून-व्यवस्था के तहत कड़े कदम उठाए।सोशल मीडिया खासकर इंस्टाग्राम पर कॉक्रोच जनता पार्टी के प्रदर्शन और सोनम वांगचुक को उसके समर्थन के लिए जो ज्वार अचानक उठा था, अब उस विद्रूप और उच्छृंखल सुनामी लहरों का थमना शुरू हो गया है। इंस्टाग्राम पर उनके लिए समर्थन पूरी तरह से फर्जी और प्रायोजित था। इसके लिए तीन प्रोफ़ेशनल एजेंसियों ने पैसे देकर वृहद स्तर पर प्रचार अभियान चलाया। दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु की तीन एजेंसियों ने सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को पैसे देकर पूरा नैरेटिव सेट करने की कोशिश की। भारत को श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल की तरह जलाने की पूरी तैयारी थी। प्रदर्शन जारी रखने के लिए विभिन्न देशों से खाने-पीने और अन्य आर्थिक मदद दी जा रही थी। इस सुनियोजित षडयंत्र से जुड़ी तमाम रपट और जानकारियां पब्लिक डोमेन में उपलब्ध हैं। चूंकि इस षड्यंत्र का जाल सामने आ गया है, जिसका सार्वजनिक पर्दाफाश होना बहुत जरूरी है। यह खेल आगे न हो इसलिए सरकार और प्रशासन को चाहिए कि इन मामलों की गहराई से जांच करे और यह पता लगाये कि आखिर कौन-सी ताकतें इस अभियान में मोटी फंडिंग कर भारत में माहौल खराब करने की कोशिश कर रही हैं? चीन में फेसबुक, ट्विटर और इंस्टाग्राम जैसे बड़े प्लेटफॉर्म पूरी तरह ब्लॉक हैं। उत्तर कोरिया में सोशल मीडिया पर पूरी तरह बैन है। आमलोग सिर्फ क्वांगमयोंग नाम के सरकारी इंट्रानेट तक सीमित रहते हैं। ईरान में फेसबुक, ट्विटर और यूट्यूब ब्लॉक हैं। ब्राजील ने एक्स को अस्थायी तौर पर बैन किया है। मिस्र, सऊदी अरब और सीरिया जैसे कई देशों में राजनीतिक कारणों से सोशल मीडिया पर कड़ी पाबंदियां हैं। इसके पीछे की वजह सूचना के प्रवाह को नियंत्रित करना, फेक न्यूज को रोकना है।असल में, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जुड़ाव-संचालित एल्गोरिदम को प्राथमिकता देते हैं, तथ्यात्मक जानकारी की तुलना में सनसनीखेज और भ्रामक सामग्री को बढ़ाते हैं। अध्ययनों से पता चलता है कि फर्जी खबरें सच्ची खबरों की तुलना में छह गुना तेज़ी से फैलती हैं। सोशल मीडिया उपयोगकर्त्ता अक्सर ऐसी सामग्री से जुड़ते हैं जो उनकी पूर्व-मौजूदा मान्यताओं के अनुरूप होती है, जिससे गलत सूचना को बल मिलता है। प्रधानमंत्री मोदी हर आयुवर्ग खासकर युवाओं में बेहद लोकप्रिय हैं। युवाओं के बीच उनकी लोकप्रियता और सीधे कनेक्ट करने की शैली अक्सर विपक्षी दलों को खटकती है। लोकप्रियता के प्रमाण के तौर पर सीजेपी प्रदर्शन के दौरान इंस्टाग्राम पर पीएम मोदी ने दो वीडियो पोस्ट किए थे, जिन पर करोड़ों में लाइक हैं, पीएम मोदी के इंस्टाग्राम पर फॉलोअर्स की संख्या 10.5 करोड़ के पार हो चुकी है। सीजेपी आंदोलन में सिर्फ एक सप्ताह के दौरान उनके एकाउंट में नए 40 लाख फॉलोअर्स जुड़े हैं। पेपर लीक जैसी गंभीर समस्या पर कड़ा रुख अपनाते हुए मोदी सरकार ने हाई पावर टास्क फोर्स और फास्ट ट्रैक कोर्ट का गठन किया है। वहीं, युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले दोषियों को सख्त से सख्त सजा दिलाने के लिये पेपर लीक रोधी कानून में आवश्यक बदलाव कर उसे संसद से पास कराया है। ये गंभीर चिंता का विषय है कि अगर मेटा विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रधानमंत्री के साथ ऐसा व्यवहार कर सकती है तो क्या उन्होंने एक विशेष इंस्टा पोस्ट को वायरल नहीं किया होगा? क्या आप दावे से कह सकते हैं कि ये नहीं हुआ होगा? सोशल मीडिया का सारा नियंत्रण अमेरिकी कंपनियों के पास है। ये उनके लिए चुटकी बजाने जितना आसान काम है। भारतीय विज्ञापन राजस्व से अरबों कमाने वाले ये अमेरिकी प्लेटफॉर्म्स अब भारतीय लोकतंत्र को प्रभावित करने का काम कर रहे हैं, जिन पर मोदी सरकार को तुरंत सख्त 'रेड लाइन्स' तय करनी चाहिए। सीजेपी आंदोलन के दौरान 20 जुलाई को हुई हिंसा में अल्गोरिदम का भी बहुत बड़ा खेल है। इन विदेशी कंपनियों की मंशा साफ है। सरकार को कड़े कदम उठाने चाहिए।

मेष राशि: मेष राशि वालों आज का दिन आपके लिए खास रहने वाला है। सामाजिक क्षेत्र में आपकी सक्रियता बढ़ेगी। किसी काम में आपको सकारात्मक परिणाम हासिल हो सकते हैं। किसी पुराने दोस्त से मिलने का योग बन रहा है। इस राशि के मीडिया से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन बढ़िया रहेगा।

वृष राशि:वृष राशि वालों आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज किसी खास काम में आपको फायदा होने वाला है। भाई-बहन के साथ आपके रिश्ते बेहतर होंगे। जीवनसाथी आपकी बातों से प्रभावित होंगे। क्रॉकरी के बिजनेस में बढ़िया धनलाभ होगा। आज राजकीय कार्यों में सफलता मिलने के योग बन रहे हैं।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। कार्य स्थल पर आज आपको अपना बेहतर प्रदर्शन करने के लिए अपनी एकाग्रता बनाए रखनी होगी। बिजनेसमैन के लिए आज का दिन शानदार रहेगा, व्यापार को बढ़ाने के लिये नया प्लान लाभदायक साबित होगा। अध्यात्म की ओर आपका रुझान बढ़ेगा।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए नयी उमंगों से भरा रहने वाला है। आज आप अपना लक्ष्य पाने के लिए नई योजनाएं बना सकते हैं। घरेलू समस्याओं को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने में आप सफल होंगे।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज आपका दिन खुशनुमा रहने वाला है। आज व्यापार में कुछ नई उपलब्धियां मिलने की संभावना है। इस समय तरक्की के अच्छे योग बने हुए हैं। प्रॉपर्टी से जुड़े काम को लेकर किसी पार्टी के साथ होने वाली डील आज फाइनल हो सकती है। आपका आर्थिक पक्ष मजबूत बना रहेगा।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज किसी मामले में अपनी समझ से काम करना होगा, तभी काम का परिणाम अच्छा मिलेगा। आज बड़ों का आशीर्वाद मिलेगा जिससे आपकी सकारात्मकता बढ़ेगी और आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज कामकाज से जुड़ी चुनौती आपके सामने आयेगी, लेकिन आप उस चुनौती से तुरंत ही पार पा लेंगे। यदि कोर्ट केस से जुड़ी कार्यवाही चल रही है, तो फैसला आपके पक्ष में आने की संभावना है। आपको अचानक धन लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। आपको किस्मत का पूरा-पूरा साथ मिलेगा।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आज ऑफिस में सीनियर्स और बॉस के द्वारा कुछ बताया जा रहा है तो उसे गंभीरता से लें, और अपनी कमियों को जानकर उसे सुधारने का प्रयास करें।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक ठाक रहने वाला है। आज आपकी जमीन जायदाद से जुड़ी किसी समस्या का समाधान निकल सकता है। आज आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी बनी रहेगी। आज आपको दूसरों से अपनी पर्सनल बातें शेयर करने से बचना चाहिए।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज का दिन आपके लिए सकारात्मक रहने वाला है। आज ऑफिस में वर्कलोड बढ़ सकता है लेकिन आपके द्वारा किए गए काम से आपके बॉस काफी इम्प्रेस होंगे। रुपए-पैसों के मामले में लापरवाही करने से बचें। आज आपको किसी विशेष आयोजन में जाने का मौका मिलेगा और नई जानकारियां हासिल होंगी।

कुम्भ राशि: कुम्भ राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज बिजनेस को लेकर आप कुछ नया प्लान बनायेंगे। इस राशि के जो लोग सोशल साइट्स के काम से जुड़े हैं, उनकी जान-पहचान किसी ऐसे व्यक्ति से होगी जो उनको काफी लाभ पहुंचाएगा।

मीन राशि:मीन राशि वालों आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आपका पूरा ध्यान अपने कार्यशैली में सुधार करने में रहेगा। आज बच्चे अपने माता पिता का ज्यादा ध्यान रखेंगे और बात भी मानेंगे।

सुविधाएँ बढ़ीं, बजट बढ़ा, फिर भी व्यवस्था वहीं क्यों?

[हाजिरी पूरी, कुर्सियाँ भरी — मगर जिम्मेदारी नदारद]

[भवन और साधन बढ़े, मगर सेवा का अर्थ घटता गया]

प्रो. आरके जैन अरिजीत

शिकायतों की सूची लंबी है—अस्पताल में दवा नहीं, स्कूल में शिक्षक नहीं, सड़क पर रोशनी नहीं, कार्यालय में कर्मचारी नहीं। लेकिन सवाल हो कि जो है, वह काम कर रहा है या नहीं, तो आवाज़ धीमी पड़ जाती है। डॉक्टर हैं, मरीज के सामने नहीं; शिक्षक हैं, कक्षा में नहीं; कर्मचारी हैं, सीट पर नहीं; अधिकारी हैं, दायित्व पर नहीं। अस्पताल में मशीन है, जाँच नहीं; स्कूल में प्रयोगशाला है, प्रयोग नहीं; मैदान है, खेल नहीं; टंकी है, नल में पानी नहीं। समस्या सिर्फ सुविधाओं की कमी नहीं, मौजूद साधनों और पदों का अपने उद्देश्य से गायब होना है। संसाधन हैं, कुर्सियाँ भरी हैं, परिणाम नहीं। सवाल है—इस दिखाई देती अनुपस्थिति को कब तक अनदेखा करेंगे

हमने सुविधाओं को सेवा का माध्यम नहीं, निजी लाभ का साधन बना लिया है। सरकारी अस्पताल का डॉक्टर सरकारी समय में निजी मरीजों में व्यस्त है, जबकि ओ.पी.डी. में गरीब अपनी बारी का इंतजार करता है। शिक्षक कक्षा के लिए नियुक्त है, मगर उसकी ऊर्जा निजी कोचिंग में खपती है। सरकारी वाहन जनता के लिए है, मगर निजी आवागमन में चलता है; सरकारी कंप्यूटर काम के लिए है, मगर निजी कारोबार में इस्तेमाल होता है। सरकारी फोन, समय, कमरा और संसाधन—नाम सरकारी, इस्तेमाल निजी। यहीं से सुविधा का चरित्र बदल जाता है। जो साधन जनता की सेवा के लिए था, वही किसी की निजी सुविधा और कमाई का जरिया बन जाता है।विडंबना यह है कि हर समस्या का हल हम नई सुविधा में खोजते हैं—अस्पताल में भीड़ हो तो नया भवन, परिणाम कमजोर हों तो नई इमारत, मशीन खराब हो तो नई मशीन, कर्मचारी कम हों तो नई नियुक्ति। मगर पुरानी सुविधा का हिसाब कौन देगा? लाखों की मशीन खरीदी जाती है, तकनीशियन न मिले तो धूल खाती है; दवाइयाँ गोदाम भरती हैं, वितरण की लापरवाही से जरूरतमंद तक नहीं पहुँचतीं और एक्सपायरी उन्हें निगल जाती है। स्कूल में स्मार्ट क्लास, प्रोजेक्टर और स्क्रीन आ जाते हैं, पर पढ़ाने का ढर्रा वही रहता है। प्रशिक्षण होते हैं, प्रमाणपत्र बंटते हैं, तस्वीरें खिंचती हैं—कक्षा में फिर भी रट्टा चलता है। संसाधन बढ़ते हैं, बजट बढ़ता है, खर्च बढ़ता है; बस उपयोगिता वहीं की वहीं रहती है।सुविधाएँ शायद इसी लिए चुपचाप सवाल करती हैं। अस्पताल का बिस्तर पूछता है— मैं मरीज के लिए था या सिर्फ औपचारिकता के लिए? किताब पूछती है—बच्चे तक पहुँची क्यों नहीं? स्ट्रीट लाइट पूछती है—मेरी रोशनी किस काम की, जब महीनों खराब पड़ी रहूँ? सार्वजनिक शौचालय बनता है, सफाई के अभाव में बेकार हो जाता है; बस स्टैंड खड़ा है, मगर यात्री सुविधा से वंचित हैं; पार्क बनता है, देखरेख न हो तो कूड़े और टूटे सामान में बदल जाता है। इमारतें खड़ी हैं, मशीनें खड़ी हैं, योजनाएँ कागज पर चल रही हैं—बस सेवा गायब है। सुविधा का शरीर बचा है, उद्देश्य मर चुका है। सबसे बड़ी विडंबना तब सामने आती है, जब हम दूसरों से ईमानदारी चाहते हैं और अपनी बारी पर सिस्टम ऐसा ही है कहकर बच निकलते हैं। डॉक्टर व्यवस्था को, शिक्षक विभाग को, कर्मचारी अधिकारी को, अधिकारी बजट को और नागरिक पूरे सिस्टम को दोष देता है। मगर सिस्टम है किससे? हमसे ही। समय पर न पहुँचने वाला कर्मचारी, बिना पढ़े फाइल बढ़ाने वाला अधिकारी, कक्षा को औपचारिकता मानने वाला शिक्षक, मरीज से ज्यादा निजी काम को तरजीह देने वाला डॉक्टर—ये सभी सिस्टम हैं। हम व्यवस्था बदलना चाहते हैं, पर शुरुआत खुद से नहीं। सिस्टम को कोसना आसान है, अपने भीतर के स्वार्थ को देखना कठिन। यही हमारी असली सामूहिक विडंबना है।

असली सवाल सुविधा के होने का नहीं, उसके सही इस्तेमाल का है। सही उपयोग हो तो मरीज को इलाज, छात्र को समझ, किसान को समय पर जानकारी, नागरिक को समय पर प्रमाणपत्र और सड़क को रात में रोशनी मिलती है। दुरुपयोग हो तो डॉक्टर की कुर्सी भरी रहती है, सेवा खाली; शिक्षक का वेतन आता है, मेहनत नहीं; कार्यालय खुला रहता है, समाधान बंद। कहीं नौकरी जिम्मेदारी नहीं, स्थायी सुविधा बन जाती है—हाजिरी पूरी, समय पूरा, काम अपनी मर्जी का। कहीं सरकारी संसाधन निजी काम में, कहीं सार्वजनिक समय निजी लाभ में। यह सिर्फ व्यवस्था की कमजोरी नहीं, हमारी सामूहिक बेईमानी है—जिसे हम सुविधाजनक ढंग से सिस्टम की समस्या कहकर अपनी जिम्मेदारी से बच जाते हैं। अब विकास का सवाल भी बदलना होगा।

हर बार नई सुविधा कब मिलेगी? से पहले पूछा जाए— जो मिला, उसका परिणाम क्या आया? नया अस्पताल बनाने से पहले पुराने की दवा व्यवस्था देखी जाए; नई मशीन लाने से पहले पूछा जाए कि पुरानी बंद क्यों है; नया स्कूल खोलने से पहले देखा जाए कि मौजूदा स्कूल बच्चों को क्या दे रहा है; नई सड़क से पहले पुरानी सड़क की मरम्मत का हिसाब हो। हर योजना के साथ देखभाल, जिम्मेदारी और परिणाम भी तय हों। सुविधा खरीदना आसान है, उसे उपयोगी बनाए रखना कठिन।

मरम्मत बनी मौत का कारण! भिवंडी में 4 मंजिला इमारत ढही, 6 की मौत, कई मलबे में दबे

मुंबई (ए.)। महाराष्ट्र के भिवंडी में गुरुवार देर रात बड़ा हादसा हो गया, जब 'कोहिनूर' नाम की चार मंजिला रिहायशी इमारत अचानक भरभराकर ढह गई। हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और राहत एवं बचाव कार्य युद्धस्तर पर शुरू कर दिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय लोगों के अनुसार, हादसे के समय इमारत में मौजूद 8 से 10 लोग मलबे में दब गए थे। सूचना मिलते ही राष्ट्रीय आपदा मोचन बल , भिवंडी पुलिस, दमकल विभाग और नगर निगम की टीमें मौके पर पहुंच गईं। पोकलेन मशीनों और आधुनिक उपकरणों की मदद से मलबा हटाकर फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने का प्रयास जारी है।स्थानीय लोगों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से इमारत में मरम्मत का काम चल रहा था। आरोप है कि मरम्मत के दौरान ठेकेदार और मजदूरों ने इमारत के तीन अहम पिलर तोड़ दिए, जिससे इसकी नींव कमजोर हो गई और पूरी इमारत अचानक ढह गई। हालांकि, प्रशासन ने अभी इस दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है।हादसे के बीच राहत की बात यह रही कि इमारत गिरने से कुछ देर पहले उसमें कंपन और असामान्य आवाजें सुनाई दी थीं। खतरे का अंदेशा होते ही अधिकांश निवासी समय रहते बाहर निकल आए, जिससे बड़ा जनहानि टल गई।फिलहाल पहली मंजिल पर रहने वाले कुछ लोगों और मरम्मत कार्य में लगे मजदूरों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। जिला प्रशासन का कहना है कि सभी लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए राहत एवं बचाव अभियान लगातार जारी है।

'शर्म की बात है', अभिजीत दीपके बोले- रेपिस्ट का स्वागत करने वाले को बना दिया शिक्षा मंत्री

नई दिल्ली,(आरएनएस)। शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर 36 दिनों तक चले विरोध प्रदर्शन के बाद केंद्र सरकार ने बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए धर्मेंद्र प्रधान की जगह प्रह्लाद जोशी को केंद्रीय शिक्षा मंत्री की जिम्मेदारी सौंप दी। हालांकि, इस बदलाव के बाद भी आंदोलन से जुड़े संगठनों ने सरकार पर निशाना साधना जारी रखा है। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने नए शिक्षा मंत्री को लेकर भी असंतोष जताते हुए कहा कि एक ऐसे व्यक्ति को देश का शिक्षा मंत्री बना दिया गया है जिसने बिलकिस बानो के रेपिस्ट का स्वागत किया था। ऐसे में देश के छात्र-छात्राओं में क्या संदेश जाएगा। उन्होंने कहा कि यह बहुत ही शर्म की बात है। न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में दीपके ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर कहा कि जो कुछ समय पहले तक हिंदू मुसलमान कर रहे थे अब रील डाल रहे हैं। कहीं ना कहीं Gen-Z ने दबाव डाला है कि शिक्षा पर बात करिए। 'जो नए शिक्षा मंत्री बनाया हैं उनका वीडियो बिलकिस बानो के रेपिस्ट का स्वागत करते हुए वायरल हुआ। आप एक रेपिस्ट के समर्थक को शिक्षा मंत्री बना रहे हैं। इसपर शर्म आ रही है।'दीपके ने कहा 'अगर कानून कुछ भी संभव है तब भी रेपिस्ट का स्वागत नहीं किया जा सकता। यह बहुत ही शर्मनाक है। पूरे देश के लिए शर्मनाक है। जब दुनिया को पता चलेगा कि भारत का शिक्षा मंत्री रेपिस्ट का स्वागत करता है। वहीं जो नए सेक्रेटरी बने हैं वह खुद करप्शन में शामिल रहे हैं। सैकड़ों-हजारों करोड़ों का घोटाला किया है। ऐसे में एक खराब इंसान को हटाकर दूसरे को जगह दी जा रही है। अभिजीत दीपके ने कहा, और भी लोग थे जिन्हें शिक्षा मंत्री बनाया जा सकता था। लेकिन उनके पास लोग ही ऐसे हैं जो कि गुंडे हैं।'

CJP प्रवक्ता ने BJP सांसद को क्यों दी 'स्टूडेंट ऑफ लाइफ' बनने की नसीहत?

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। संसद भवन के बाहर प्रदर्शनकारियों पर विवादित टिप्पणी करने के बाद भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की सांसद कंगना रनौत अब 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) के सीधे निशाने पर आ गई हैं। हाल ही में कंगना ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान सीजेपी के प्रवक्ता सौरव दास पर निशाना साधते हुए कहा था कि वह कोई छात्र नहीं बल्कि एक पत्रकार हैं। इस तंज का अब सौरव दास ने करारा जवाब दिया है। उन्होंने कंगना को नसीहत देते हुए कहा कि वह भले ही किसी स्कूल या कॉलेज के स्टूडेंट नहीं हैं, लेकिन वह 'स्टूडेंट ऑफ लाइफ' जरूर हैं और कंगना रनौत को भी जीवन में यही होना चाहिए।बीजेपी सांसद पर सीधा पलटवार करते हुए सौरव दास ने कहा कि कंगना जी का गूगल भी उन्हें गलत जानकारी देता है। उन्होंने अपनी उम्र स्पष्ट करते हुए कहा कि वह 28 के नहीं बल्कि 27 साल के हैं। सौरव ने साफ किया कि वह एक पत्रकार हैं और उन्होंने कभी खुद को छात्र बताने का दावा नहीं किया। उनका कहना था कि हर इंसान को 'स्टूडेंट ऑफ लाइफ' होना चाहिए, ताकि उसमें आगे बढ़ने और नई चीजें सीखने की समझ विकसित हो सके। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि किसी की उम्र भले ही कितनी भी ज्यादा हो जाए, लेकिन अगर वह जीवन में सीख नहीं रहा है तो उसमें कभी समझदारी नहीं आएगी। कंगना जी को भी यह बात समझनी चाहिए।वहां दें कि कंगना रनौत और सीजेपी प्रवक्ता के बीच यह जुबानी जंग सोशल मीडिया से शुरू हुई थी। कंगना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर दास की उम्र और उनके छात्र होने पर सवाल खड़े किए थे। उन्होंने लिखा था कि गूगल करने पर इस व्यक्ति की उम्र 28 साल नजर आती है, फिर भी यह खुद को छात्र बताता है, जो समझ से परे है।

असम में बाढ़ से मरने वालों की संख्या 80 हुई, आठ जिलों में 2.12 लाख से अधिक लोग प्रभावित

गुवाहाटी ,(आरएनएस)। असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। अब तक आठ जिलों में 2.12 लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। इस साल मरने वालों की कुल संख्या भी बढ़कर 80 हो गई है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के अनुसार, गोलाघाट, शिवसागर, विश्वनाथ, चराइदेव, कामरूप (मेट्रो), जोरहाट, धेमाजी और नागांव जिलों में कुल 2,12,441 लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। इस आपदा ने 21 राजस्व मंडलों (रेवेन्यू सर्कल) में 437 गांवों को प्रभावित किया है, जबकि बाढ़ के कारण 17,198.09 हेक्टेयर फसल खराब हुई है। एएसडीएमए ने बताया कि पिछले 24 घंटों में शिवसागर जिले में दो और लोगों की मौत हो गई, जिससे इस सीजन में राज्य में बाढ़ से मरने वालों की कुल संख्या 80 हो गई है। अधिकारी

प्रभावित जिलों में राहत और बचाव कार्य जारी रखे हुए हैं। विस्थापित परिवारों को आश्रय देने के लिए 21 जगहों पर राहत शिविर खोले गए हैं, जबकि जिला प्रशासन प्रभावित लोगों को भोजन, पीने का पानी और अन्य जरूरी सामान उपलब्ध करा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि शहरी इलाकों में बाढ़ का असर कामरूप मेट्रोपॉलिटन जिले के कुछ हिस्सों में बना हुआ है। अधिकारियों ने कहा कि कई नदियों में जलस्तर अभी भी ऊंचा बना हुआ है। राज्य सरकार और जिला प्रशासन बाढ़ की स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं।इसी बीच, असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने गुरुवार रात एक सार्वजनिक एडवाइजरी जारी कर निवासियों से धनसिरी (दक्षिण) नदी से दूर रहने को कहा, क्योंकि गोलाघाट जिले के नुमालीगढ़ में इसका जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। प्राधिकरण ने जनहित एडवाइजरी में कहा, असम के गोलाघाट जिले में नुमालीगढ़ के पास धनसिरी (दक्षिण) नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने के कारण नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे नदी से दूर रहें।

समुद्र मंथन से पीएम किसान योजना तक, मोदी कैबिनेट की बैठक में लिए गए कई अहम फैसलों को मिली हरी झंडी

नई दिल्ली,(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में देश के ऊर्जा, कृषि, खेल और तेल-गैस क्षेत्र से जुड़े कई अहम फैसलों को मंजूरी दी गई। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट के निर्णयों की जानकारी देते हुए कहा कि सरकार का लक्ष्य आत्मनिर्भर भारत को गति देने के साथ-साथ किसानों, खिलाड़ियों और ऊर्जा क्षेत्र को नई मजबूती देना है।कैबिनेट ने

प्रधानमंत्री सूर्य सरोवर योजना को मंजूरी दे दी है। इस योजना के तहत देशभर के जलाशयों, तालाबों और अन्य जल निकायों की सतह पर फ्लोटिंग सोलर प्लांट लगाए जाएंगे। इससे स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा और जल संसाधनों का बेहतर उपयोग हो सकेगा। सरकार का मानना है कि यह पहल भारत की अक्षय ऊर्जा क्षमता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (PM-KISAN) योजना को वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक जारी रखने का फैसला किया है। इसके लिए 3.15 लाख करोड़ रुपये का बजट मंजूर किया गया है। योजना के तहत पात्र किसानों को पहले की तरह हर वर्ष 6,000 रुपये की सहायता तीन समान किस्तों में सीधे बैंक खातों में मिलती रहेगी। सरकार का कहना है कि इससे किसानों को समय पर बीज, खाद और अन्य कृषि सामग्री खरीदने में मदद मिलेगी तथा महंगे कर्ज पर निर्भरता कम होगी। देश में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने और खेल ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से खेलो इंडिया योजना के लिए अगले पांच वर्षों में 29,000 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत किया गया है। सरकार का कहना है कि इस निवेश से खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, आधुनिक सुविधाओं और अंतरराष्ट्रीय स्तर की तैयारियां उपलब्ध कराई जाएंगी, ताकि भारत भविष्य की वैश्विक प्रतियोगिताओं में और बेहतर प्रदर्शन कर सके।

असम में बाढ़ की स्थिति पर चर्चा करने के लिए भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) असम के अध्यक्ष और लोकसभा सांसद दिलीप सैकिया, विदेश राज्य मंत्री पवित्र मार्गेरिटा, बीजेपी के राष्ट्रीय सचिव और राज्यसभा सांसद कामाख्या प्रसाद तासा और लोकसभा सांसद प्रदान बरुआ ने नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की।

'पेपर लीक माफिया पर अब कानून का शिकंजा', राज्यसभा में राघव चड्ढा ने किया एंटी-पेपर लीक बिल का समर्थन

नई दिल्ली,(आरएनएस)। राज्यसभा में लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 पर चर्चा के दौरान सांसद राघव चड्ढा ने विधेयक का समर्थन करते हुए इसे देश का पहला समर्पित एंटी-पेपर लीक फ्रेमवर्क बताया। उन्होंने कहा कि वर्षों से पेपर लीक ने लाखों छात्रों की मेहनत और सपनों को नुकसान पहुंचाया है, लेकिन अब संगठित पेपर लीक माफिया के खिलाफ सख्त कानूनी ढांचा तैयार किया गया है।

राघव चड्ढा ने कहा कि नीट सहित विभिन्न परीक्षाओं में छात्रों की शिकायतों को सरकार ने गंभीरता से लिया और प्रधानमंत्री ने परिवार के मुखिया की तरह निर्णय लेते हुए परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधारों की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि राजनीतिक बयानबाजी के बजाय संस्थागत सुधारों का रास्ता चुना गया है।

उन्होंने कहा कि नया कानून पेपर लीक को संगठित अपराध की श्रेणी में लाएगा। इसमें 10 वर्ष तक की सजा, 10 करोड़ रुपये तक के जुर्माने, विशेष जांच दल, फास्ट ट्रैक कोर्ट और समयबद्ध जांच जैसी व्यवस्थाएं शामिल हैं। उनका कहना था कि इससे ईमानदार छात्रों को निष्पक्ष परीक्षा व्यवस्था मिलेगी और मेरिट का सम्मान सुनिश्चित होगा। भाषण के दौरान राघव चड्ढा ने छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि एक परीक्षा केवल रैंक तय कर सकती है, किसी छात्र की कीमत नहीं। उन्होंने छात्र आंदोलनों के राजनीतिकरण से बचने की अपील करते हुए कहा कि यह लड़ाई राजनीतिक दलों की नहीं, बल्कि मेरिट और माफिया के बीच है। राघव चड्ढा ने अपने भाषण में पंजाब में फार्मेसी भर्ती, नीट समेत विभिन्न भर्ती परीक्षाओं तथा कर्नाटक में हुए कथित पेपर लीक मामलों का उल्लेख करते हुए जवाबदेही की मांग की। उन्होंने कहा कि देशभर में सामने आई ऐसी घटनाओं ने एक सख्त राष्ट्रीय कानून की आवश्यकता को स्पष्ट किया है।

बीजेपी के तेजतर्रार प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने छोड़ी पार्टी? बायो बदलकर राजनीति से संन्यास का दिया सीधा संकेत

नई दिल्ली,(आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के खेमे से एक बेहद चौंकाने वाली और बड़ी सियासी हलचल सामने आई है। टीवी डिबेट्स में विरोधियों के पसीने छुड़ाने वाले बीजेपी के सबसे चर्चित और तेजतर्रार राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला के पार्टी छोड़ने की खबरें तेजी से फैल रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स और सूत्रों के हवाले से दावा किया जा रहा है कि पूनावाला ने बीजेपी की सदस्यता से अपना इस्तीफा दे दिया है। हालांकि उन्होंने अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन सोशल मीडिया पर उनके हालिया कदम और बयानों ने इन अटकलों को पूरी तरह से पुख्ता कर दिया है, जिससे राजनीतिक गलियारों में हड़कंप मच गया है।

'एक्स' से हटाया बीजेपी का नाम, नया बायो किया अपडेट

इस पूरी सियासी हलचल की सुगबुगाहट तब शुरू हुई जब शहजाद पूनावाला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपना बायो अचानक बदल दिया। उन्होंने अपने प्रोफाइल से 'बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता' का पद हटा दिया है। पूनावाला ने गुरुवार को अपने इस नए अपडेटेड बायो का स्क्रीनशॉट भी शेयर किया, जिसमें उन्होंने खुद को 'धर्म से इस्लाम, संस्कृति से हिंदू और विचारधारा से भारतीय' बताया है। इसके साथ ही उन्होंने खुद को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आजीवन

अनुयायी भी लिखा है। हालांकि, दिलचस्प बात यह है कि इस बड़े बदलाव के बावजूद उनके इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर अभी भी उन्हें बीजेपी का राष्ट्रीय प्रवक्ता ही दर्शाया जा रहा है।

पुराने वीडियो शेयर कर सक्रिय राजनीति छोड़ने का किया जिक्र

पार्टी से इस्तीफे की अटकलों को हवा देते हुए शहजाद पूनावाला ने अपने दो पुराने इंटरव्यू क्लिप भी एक्स पर रीपोस्ट किए हैं, जो 28 जून और 9 जुलाई के हैं। इन वीडियोज में वह सक्रिय राजनीति से किनारा करने और समाज सेवा से जुड़ने की बात कहते नजर आ रहे हैं। उन्होंने एक वीडियो में साफ कहा था कि वह चुनावों के बाद राजनीति छोड़ने का मन बना चुके थे, लेकिन तीसरी बार सत्ता में लौटने के बाद पीएम मोदी को भावुक देखकर उन्होंने अपना इरादा बदल लिया था। उन्होंने बंगाल, दिल्ली, महाराष्ट्र और हरियाणा जैसे अहम विधानसभा चुनावों में जीत का संदेश देने के बाद ही सक्रिय राजनीति से हटने का संकल्प लिया था।

कांग्रेस से बगावत कर 2021 में संभाला था बीजेपी का मोर्चा

विपक्ष के सबसे मुखर आलोचकों में गिने जाने वाले 38 वर्षीय वकील और एक्टिविस्ट शहजाद पूनावाला का सियासी सफर हमेशा से काफी चर्चा में रहा है। उन्होंने अपनी राजनीतिक पारी की शुरुआत कांग्रेस पार्टी के साथ की थी, लेकिन साल 2017 में वह तब रातों-रात सुर्खियों में आ गए जब उन्होंने राहुल गांधी को पार्टी अध्यक्ष बनाए जाने का कड़ा विरोध किया था। परिवारवाद और वंशवाद की राजनीति के खिलाफ अपनी ही पार्टी से बगावत करने के बाद उन्होंने अलग रास्ता चुन लिया था। साल 2021 में उन्हें दिल्ली में बीजेपी के सोशल मीडिया विंग का इंचार्ज बनाया गया था और तब से वह हर बड़े मंच पर पार्टी का मजबूती से पक्ष रखते आ रहे थे। अब उनके इस संभावित संन्यास ने सबको हैरत में डाल दिया है।

850 किमी दूर प्रेमी के प्यार में पड़ी 3 बच्चों की मां, बिहार से खींची चली आई लखीमपुर; मासूम बिलखते रहे पर नहीं पिघला दिल

लखीमपुर खीरी, (आरएनएस)। वर्चुअल दुनिया का इश्क जब हकीकत की चौखट पर पहुंचता है, तो कई बार ऐसे हैरान करने वाले मोड़ ले लेता है जिसकी कोई कल्पना भी नहीं कर सकता। डिजिटल प्यार के नशे में चूर एक 38 वर्षीय शादीशुदा महिला ने अपने 15 साल पुराने परिवार को इस कदर पलक झपकते ही भुला दिया कि उसकी कहानी सुनकर हर कोई सन्न है।

इंस्टाग्राम पर रील्स बनाने के शौक ने बिहार की इस महिला को उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी के रहने वाले एक 18 साल के नौजवान का ऐसा दीवाना बना दिया कि वह अपने पति और तीन मासूम बच्चों को बिलखता छोड़ 850 किलोमीटर दूर अपने प्रेमी के दर पर जा पहुंची। हैरानी की बात तो यह है कि जब पति अपने बच्चों को लेकर उसे मनाने थाने पहुंचा, तो बच्चों की गुहार सुनकर भी इस मां का दिल जरा भी नहीं पसीजा और उसने दो-टूक कह दिया कि वह अब वापस नहीं लौटेगी।

चैटिंग से शुरू हुआ सिलसिला और हो गया प्यार

यह पूरा हैरान करने वाला मामला बिहार की रहने वाली सुमन कुमारी उर्फ लवली (38) और लखीमपुर खीरी के नीमगांव क्षेत्र के रहने वाले 18 वर्षीय पवन का है। करीब 15 साल पहले सुमन की शादी बिहार के ही प्रद्युम्न से हुई थी और उनके तीन बच्चे (14, 8 और 6 साल) हैं। घर पर रहने के दौरान सुमन सोशल मीडिया पर रील्स बनाया करती थी। इसी दौरान करीब छह महीने पहले इंस्टाग्राम पर उसकी बातचीत पवन से शुरू हुई। पवन उस वक्त हरियाणा के सोनीपत में एक कंपनी में नौकरी करता था। पहले फॉलो और लाइक से शुरू हुई यह कहानी डायरेक्ट मैसेज, फिर वीडियो कॉल और अंततः गहरे प्रेम संबंध में तब्दील हो गई।प्रेमी से विवाद हुआ, फिर भी 850 किमी दूर पीछा करते पहुंच गई यूपीप्यार का परवान ऐसा चढ़ा कि करीब तीन महीने पहले सुमन अपने पति और तीनों बच्चों को बिना भनक लगे घर छोड़कर सीधे सोनीपत पहुंच गई। दोनों कुछ समय तक वहां साथ रहे, लेकिन यह कहानी भी जल्द ही विवादों में घिर गई। आरोप है कि सुमन की दूसरे युवकों से फोन पर बातचीत को लेकर पवन और उसके बीच झगड़े होने लगे। विवाद इतना बढ़ गया कि पवन उसे छोड़कर वापस अपने गांव लखीमपुर खीरी लौट आया। लेकिन प्यार के जुनून में अंधी हो चुकी सुमन ने हार नहीं मानी। वह पवन का पीछा करते हुए 850 किलोमीटर का लंबा सफर तय करके लखीमपुर खीरी के उसके गांव पहुंच गई। गांव में बाहरी महिला को देख पंचायत बैठी और फिर ग्राम प्रधान ने मामले की सूचना पुलिस को दे दी।

थाने में बिलखते रहे बच्चे, मां बोली- 'पति निकम्मा है, मैं नहीं जाऊंगी'

मामले की भनक लगते ही सुमन का पति प्रद्युम्न अपने तीनों बच्चों को साथ लेकर लखीमपुर खीरी पहुंच गया। नीमगांव थाने में दो दिन तक हाई-वोल्टेज ड्रामा चला। थाने का दृश्य उस वक्त बेहद भावुक हो गया जब मासूम बच्चे अपनी मां से लिपटकर घर लौटने की मिन्नतें करने लगे। पुलिस, स्थानीय लोगों और पति ने भी परिवार और बच्चों के भविष्य का वास्ता देकर उसे बहुत समझाया, लेकिन सुमन टस से मस नहीं हुई। उसने साफ शब्दों में कह दिया कि उसका पति कोई काम नहीं करता, इसलिए वह उसके साथ वापस उस नर्क में नहीं जाएगी। महिला ने यह कहकर सबको चौंका दिया कि बच्चे उसके पति के हैं, इसलिए अब उनकी जिम्मेदारी भी वही उठाए। वह अपने नए प्यार के साथ नई जिंदगी शुरू करना चाहती है।

प्रेमी का हैरान करने वाला दावा- 'मुझे शादी और बच्चों का नहीं था पता'

इस पूरी प्रेम कहानी में 18 साल के प्रेमी पवन का बयान भी कम चौंकाने वाला नहीं है। पवन का कहना है कि इंस्टाग्राम पर जब उनकी दोस्ती हुई थी, तब सुमन ने उसे यह नहीं बताया था कि वह शादीशुदा है और तीन बच्चों की मां है। पवन के मुताबिक, जब उसे बाद में इस कड़वी सच्चाई का पता चला तो दोनों के बीच विवाद होने लगा और वह पीछा छुड़ाकर गांव भाग आया, लेकिन वह यहां भी पहुंच गई।

महिला के प्राइवेट पार्ट पर वाइब्रेटिंग मशीन रखना भी रेप.. केरल हाई कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला, 10 साल की सजा बरकरार

कोच्चि (ए.)। केरल हाईकोर्ट ने यौन अपराधों से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले में स्पष्ट किया है कि यदि किसी महिला या नाबालिग के जननांग पर जबरन किसी वाइब्रेटिंग उपकरण या अन्य वस्तु का इस्तेमाल किया जाता है, तो इसे केवल यौन उत्पीड़न नहीं माना जाएगा।

अदालत ने कहा कि ऐसी हरकत परिस्थितियों के अनुसार पोक्सो (POCSO) अधिनियम के तहत 'पेनेट्रेटिव सेक्सुअल असॉल्ट' तथा भारतीय दंड संहिता (घटना के समय लागू कानून) की धारा 375 के तहत दुष्कर्म की श्रेणी में आता है। टिप्पणी हाईकोर्ट ने त्रिशूर निवासी जोशी के. जे. की उस अपील को खारिज करते हुए की, जिसमें उसने ट्रायल कोर्ट द्वारा सुनाई गई सजा को चुनौती दी थी।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आरोपी को एक 17 वर्षीय नाबालिग लड़की से बलात्कार और गंभीर यौन उत्पीड़न के जुर्म में ट्रायल कोर्ट द्वारा 10 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई थी, जिसे हाई कोर्ट ने पूरी तरह सही ठहराया है। यह घटना 20 जुलाई 2019 की है। पीड़िता 12वीं की परीक्षा में फेल होने के बाद पढ़ाई और नौकरी की तलाश में थी। चर्चित फर्जी एंटीक कलेक्टर मनसून मावुंकल ने उसे कॉस्मेटोलॉजी सिखाने और नौकरी देने का झांसा देकर अपने घर बुलाया। मामले की जांच कर रही क्राइम ब्रांच के अनुसार, मनसून के सहयोगी आरोपी जोशी ने पीड़िता को ट्रीटमेंट रूम में जबरन लिटाया। इसके बाद उसने एक वाइब्रेटिंग मशीन जैसा उपकरण पीड़िता के योनिक द्वार पर चालू अवस्था में जबरन लगाया। आरोपी ने पीड़िता को मुंह बंद रखने की धमकी भी दी थी। मनसून की गिरफ्तारी के बाद पीड़िता ने इस दरिंदगी का खुलासा किया।

पीओके में पाक सेना का तांडव: 109 लोगों की मौत, लाशों से भी दरिंदगी

करांची,(ए.)। पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर (पीओके) इस समय भयावह नरक में बदल गया है। पिछले 50 दिनों से अपने बुनियादी अधिकारों के लिए चल रहे जनआंदोलन को कुचलने के लिए पाकिस्तानी सेना ने बर्बरता की सारी हदें पार कर दी हैं। जनरल आसिम मुनीर के आदेश पर सुरक्षा बल अब लोगों की जान लेने के बाद उनकी लाशों का अपमान कर रहे हैं। रावलकोट से लेकर मीरपुर तक, गलियां खून से लाल हैं और अब तक करीब 109 बेकसूर नागरिक अपनी जान गंवा चुके हैं। लोगों का आरोप है कि पाकिस्तानी हुकूमत और उसकी क्रूर सेना मानवाधिकारों का खुलेआम जनाजा निकाल रही है।

चश्मदीदों और पीड़ित परिवारों के मुताबिक, बीते तीन दिनों में पीओके के विभिन्न इलाकों में भारी फोर्स तैनात कर अंधाधुंध फायरिंग की गई है, जिससे मौतों का आंकड़ा 109 के पार पहुंच गया है। सबसे खौफनाक बात यह है कि अपनों को खो चुके परिवारों को मातम मनाने और अपने ही लोगों का अंतिम संस्कार करने का हक भी छीना जा रहा है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि सुरक्षा बल पहले मासूम लोगों की हत्या करते हैं और फिर शवों को परिवार से छीनकर ले जाते हैं। रिश्तेदारों की बिना सहमति के ही रात के अंधेरे में शवों को मनमाने तरीके से दफनाया जा रहा है। परिजनों का आरोप है कि कत्ल किए गए बेकसूरों के शवों को जानवरों की तरह घसीटकर सेना की गाड़ियों में लादा जा रहा है। लाशों के साथ किए जा रहे खौफनाक बर्ताव से जाहिर है कि पाकिस्तानी सेना पीओके के लोगों के दिलों में खौफ भरना चाहती है।

ईरान ने किया मिस्र पर हमला, पूरी दुनिया की नींद उड़ी, ट्रंप भी हैरान

-मिस्र बोला- ये कोई मामूली तकनीकी हादसा नहीं, एक सोचा- समझा 'ड्रोन अटैक' था

काइरो,(ए.)। ईरान-अमेरिका जंग हर बीतते दिन के साथ और भी विकराल होती जा रही है। अब इस महायुद्ध में एक नया मोर्चा खुल गया है। हाल ही में ईरान ने एक ऐसे देश पर पहला अटैक किया है, जिसे अब तक सबसे सेफ माना जा रहा था। ये देश ट्रंप का साथ तो था लेकिन ईरान की पहुंच से बहुत दूर था। ये देश है मिस्र, जहां पर हुए पहले हमले ने पूरी दुनिया की नींद उड़ा दी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मिस्र के बेहद अहम डैमिएटा पोर्ट पर स्थित लिक्विफाइड नेचुरल गैस टर्मिनल पर दो जहाजों को रहस्यमयी ड्रोन से निशाना बनाया गया। मिस्र सरकार ने आधिकारिक तौर पर इस

बात की पुष्टि की है कि ये कोई मामूली तकनीकी हादसा नहीं, बल्कि एक सोचा-समझा 'ड्रोन अटैक' था। ये पहला मौका है जब अमेरिका-ईरान युद्ध की आंच मिस्र के इंफ्रास्ट्रक्चर तक पहुंची है।

ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंधों का शिकंजा कसा, भारत-चीन-रूस भी फंसे

वाशिंगटन,(ए.)। अमेरिका ने ईरान को एक और कड़ा झटका देकर उसकी महान एयर को समर्थन देने के आरोप में वैश्विक नेटवर्क पर नए प्रतिबंध लगा दिए हैं। इन प्रतिबंधों की जद में भारत, चीन, रूस और ईरान के छह व्यक्ति और संस्थाएं आई हैं, जिन पर ईरानी शासन के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) को सहयोग देने का आरोप है, जिस वाशिंगटन एक आतंकवादी संगठन मानता है। अमेरिकी वित्त मंत्रालय के अनुसार, लक्षित संस्थाओं में वे कंपनियां भी शामिल हैं जो विभिन्न देशों, विशेषकर भारत, चीन और रूस में महान एयर के लिए सेल्स एजेंट के रूप में काम करती थीं। इसमें भारत की स्कीज ट्रैवल्स एंड लॉजिस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड और रूस की एयर कार्गो प्रो लिमिटेड को एयरलाइन के लिए कथित सेल्स एजेंट की भूमिका निभाने के आरोप में प्रतिबंधित किया है। चीन से शंघाई विंग्स इंटरनेशनल लॉजिस्टिक्स कंपनी और तांग शिन नामक व्यक्ति पर भी प्रतिबंध लगे हैं, जिन पर महान एयर के लिए एजेंट का काम करने और चीन से ईरान तक इलेक्ट्रॉनिक्स के परिवहन में मदद करने का आरोप है। अमेरिका का आरोप है कि महान एयर ने एक नागरिक वाहक के तौर पर काम करते हुए आईआरजीसी कर्मियों को यात्रा सेवाएं दीं और मानवरहित हवाई वाहन (यूएवी) प्रणाली व हथियारों की खरीद और आवाजाही में सहायता की। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने स्पष्ट किया कि आईआरजीसी या महान एयर को वित्तीय, लॉजिस्टिकल या वाणिज्यिक सहायता देने वाले एक आतंकवादी संगठन को बनाए रखने में मदद कर रहे हैं, और वित्त मंत्रालय उन्हें अमेरिकी वित्तीय प्रणाली से अलग करना जारी रखेगा। इस नवीनतम कार्रवाई में तेहरान की दादेनेगर कंपनी को भी निशाना बनाया गया है, जिस पर ईरानी सेना की मदद के लिए अमेरिकी और इजरायली उपकरणों के स्थान की जानकारी मांगने का आरोप है।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में कोयला खदान में भीषण विस्फोट, 32 मजदूरों की मौत, कई लापता

इस्लामाबाद (ए.)। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में गुरुवार को एक कोयला खदान में भीषण विस्फोट के बाद बड़ा हादसा हो गया। विस्फोट के कारण खदान का एक बड़ा हिस्सा ढह गया, जिससे कम से कम 32 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य मजदूर अब भी जमीन के नीचे फंसे होने की आशंका है।यह हादसा बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा के निकट सुरांज के दूरदराज इलाके में हुआ। बलूचिस्तान के खान एवं खनिज विकास मंत्री शोएब नोशेरवानी ने बताया कि विस्फोट के समय खदान के ढहे हुए हिस्से में कई मजदूर काम कर रहे थे।उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए घोषणा की कि प्रत्येक मृतक मजदूर के परिवार को 5 लाख पाकिस्तानी रुपये (करीब 1,800 अमेरिकी डॉलर) का मुआवजा दिया जाएगा।

सेउटा में हजारों लोग सीमा पार कर घुसे, 9 लोगों की मौत

-भीड़ में मोरक्को के युवा, महिलाएं और छोटे बच्चे भी शामिल

सेउटा,(ए.)। मोरक्को की सीमा से स्पेन के उत्तरी अफ्रीकी क्षेत्र सेउटा में गुरुवार को हजारों प्रवासी अंदर प्रवेश कर गए। प्रवासियों ने बॉर्डर की बाड़ तोड़कर स्पेन में प्रवेश किया, जिसके दौरान कम से कम 9 लोगों की मौत हो गई। अब स्पेन ने इलाके में मोरक्को के साथ लगी सीमा पर शांति बनाए रखने का फैसला लिया है। सेउटा के लोकल अधिकारियों ने मैड्रिड से इमरजेंसी मदद मांगी थी। इसके बाद स्पेन सरकार ने ऐलान किया कि सिविल गार्ड की मदद के लिए आर्म्ड फोर्स भेजी जाएगी ताकि सेउटा शहर में सुरक्षा बनाए रखी जा सके।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्पेन के पीएम पेड्रो सांचेज शुक्रवार को इंटीरियर मिनिस्टर फर्नांडो ग्रांडे-मार्लास्का के साथ सेउटा का दौरा करेंगे। बॉर्डर पर तैनात सिविल गार्ड एसोसिएशन के प्रमुख रचिद सबीही ने बताया कि हजारों माइग्रेंट्स क्रॉस कर रहे हैं। बॉर्डर पूरी तरह टूट चुकी थी। उत्तरी मोरक्को में मानवाधिकार कार्यकर्ता ने कहा कि अजीब हालात में ताराजल बॉर्डर खोला गया और लोग क्रॉस कर गए। सामने आए वीडियो फुटेज में ताराजल बीच पर सैकड़ों लोगों की भीड़ दिखी। ज्यादातर मोरक्को के युवा थे, लेकिन महिलाओं और छोटे बच्चों वाले परिवार भी शामिल थे। कुछ लोगों ने चिल्लाकर वीवा एस्पाना भी कहा। इसका मतलब है, स्पेन अमर रहे।

सेउटा में स्पेन के सरकारी प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि गुरुवार की अफरा-तफरी में कम से कम 9 लोगों की मौत हुई। मौतों का कारण नहीं बताया गया, लेकिन पानी में लाशें तैरती नजर आईं। अधिकारियों के मुताबिक इस साल अब तक दर्जनों लोग सेउटा पहुंचने की कोशिश में मारे जा चुके हैं।

इस संकट का असर इटली तक पहुंचा। इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी ने स्पेन के साथ शेंगेन एग्रीमेंट सस्पेंड करने की धमकी दी, ताकि सीमाओं और नागरिकों की सुरक्षा हो सके। सेउटा के अधिकारियों ने इसे सुप्रीम कोर्ट के फैसले से जोड़ा। कोर्ट ने कहा था कि समुद्र के रास्ते आने वाले माइग्रेंट्स को बिना सही प्रक्रिया के तुरंत वापस नहीं भेजा जा सकता, लेकिन यह नियम जमीन के रास्ते आने वालों पर लागू नहीं होता। रिपोर्ट के मुताबिक स्पेन यूरोप में माइग्रेंट्स के लिए मुख्य एंट्री पॉइंट है। सेउटा पहुंचने के लिए लोग मोरक्को के फनीडेक से करीब पांच किलोमीटर तैरकर आते हैं। कुछ बेल्यूनेच से कम दूरी पार करते हैं। सेउटा की रीजनल सरकार के प्रमुख ने केंद्र सरकार से नेशनल इमरजेंसी घोषित करने की मांग की है, लेकिन सरकार ने कहा है कि वह नागरिकों की सुरक्षा और बॉर्डर की एकता की गारंटी देगी, लेकिन अभी इमरजेंसी घोषित नहीं कर सकती। फिलहाल सेउटा में सेना की तैनाती के साथ बॉर्डर को सील करने और पकड़े गए माइग्रेंट्स को वापस भेजने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

फीचर

बोनी कपूर बड़े पर्दे पर छोटी बेटी को नई पहचान दिलाने की तैयारी में

मुंबई (ए.)। बॉलीवुड फिल्म निर्माता बोनी कपूर की अब अपनी छोटी बेटी खुशी कपूर को बड़े पर्दे पर नई पहचान दिलाने की तैयारी में हैं। बोनी कपूर ने हाल ही में ऐलान किया है कि खुशी कपूर अपनी मां श्रीदेवी की 2017 की सुपरहिट फिल्म मॉम के सीक्वल में मुख्य भूमिका निभाएंगी। इस फिल्म के जरिए स्टारकिड अपनी दिवंगत मां को

एक खास श्रद्धांजलि अर्पित करने जा रही हैं। करीबी सूत्रों के मुताबिक, खुशी कपूर अपनी मां श्रीदेवी की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं।

अभिनेत्री के लिए यह फिल्म बेहद खास है और उन्हें बखूबी मालूम है कि वह अपनी मां की विरासत को आगे बढ़ा रही हैं, लेकिन खुशी कपूर इस बात से अपने प्रदर्शन पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ने दे रही हैं। सूत्रों का कहना है कि फिल्म के लिए खुशी कपूर जी तोड़ मेहनत कर रही हैं और अपनी भूमिका में ढलने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एक सूत्र ने बताया कि इस फिल्म से खुशी कपूर को इंडस्ट्री में एक नई पहचान मिलेगी और वह एक नए अभिनेता के तौर पर अपने करियर की शुरुआत करेंगी। सूत्र ने आगे कहा कि हर बार जाह्नवी कपूर को श्रीदेवी से कम्पेयर किया जाता रहा है, लेकिन इस बार खुशी कपूर अपने शानदार परफॉर्मेंस से सबको हैरान करने वाली हैं। खुशी कपूर ने साल 2023 में अभिनय डेब्यू किया था, जब वह जोया अख्तर के निर्देशन में बनी फिल्म द आर्चीज में दिखी थीं।

इस फिल्म में सुहाना खान, वेदांग रैना, अगस्त्य नंदा समेत कई अन्य स्टारकिड्स भी थे, और इसे समीक्षकों व दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली थी। द आर्चीज के बाद, खुशी कपूर ने सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम के साथ फिल्म नादानियां में काम किया था। इस फिल्म में उनके अभिनय को काफी ट्रोल किया गया था, और फिल्म भी बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई। इसके बाद वह आमिर खान के बेटे जुनैद खान के साथ फिल्म लवयापा में भी नजर आईं। इन दोनों फिल्मों में खुशी की एक्टिंग की जमकर आलोचना हुई थी और इन फिल्मों को दर्शकों ने महाबकवास करार दिया था।

'विलेन से शादी कैसे कर ली?' रेणुका शहाणे ने खोले अपनी शादीशुदा जिंदगी से जुड़े राज

सोशल मीडिया ने कलाकारों और ऑडियंस के बीच की दूरी काफी कम कर दी है। अब लोग अपनी बात सीधे कलाकारों तक पहुंचा देते हैं। वहीं अभिनेत्री रेणुका शहाणे का मानना है कि इस बदलाव के साथ ट्रोलिंग भी पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गई है। कई बार लोग बिना वजह भी नकारात्मक टिप्पणियां कर देते हैं। इतना ही नहीं आज भी कई लोग उनके पति और अभिनेता आशुतोष राणा को उनके पर्दे पर निभाए गए खलनायक वाले किरदारों से जोड़कर देखते हैं।

मराठी वेब सीरीज 'अगं आई अहो आई' के प्रमोशन के दौरान अमर उजाला डिजिटल से खास बातचीत में अभिनेत्री रेणुका शहाणे ने सोशल मीडिया, ट्रोलिंग, आशुतोष राणा की छवि और अपनी 25 साल की शादी पर खुलकर बात की है।

'सोशल मीडिया ने कलाकारों और दर्शकों के बीच की दूरी कम कर दी है'

रेणुका शहाणे कहती हैं, 'मुझे लगता है कि आजकल लोग पहले से बहुत ज्यादा मुखर हो गए हैं। उनके पास सोशल मीडिया के जरिए सीधे कलाकारों तक पहुंचने का मौका है। वह अपने विचार बहुत आसानी से व्यक्त कर सकते हैं। पहले लोगों का संपर्क लेटर यानी पत्र के जरिए होता था। अब आप सोशल मीडिया पर कोई पोस्ट डालिए और कुछ ही मिनटों में उसका रिएक्शन मिलने लगता है। मुझे लगता है कि पहले कलाकारों और ऑडियंस के बीच जो थोड़ा-सा फासला हुआ करता था, वह अब काफी कम हो गया है। लोग अब आसानी से आप तक पहुंच जाते हैं। लेकिन इसकी एक नकारात्मक बात भी है। ट्रोलिंग पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गई है। कई बार लगता है कि सोशल मीडिया कुछ लोगों के लिए अपनी भड़ास निकालने का जरिया बन गया है।'

'सूर्योदय की तस्वीर पर भी लोगों ने नेगेटिव कमेंट कर दिए'

रेणुका कहती हैं, 'एक दिन मैंने सूर्योदय की एक बहुत सुंदर तस्वीर पोस्ट की थी। सूरज तो रोज उगता है और उसी की वजह से हमें जीवन मिलता है। मुझे वह सनराइज बहुत खूबसूरत लगा इसलिए मैंने उसे कैमरे में कैद करके सोशल मीडिया पर डाल दिया। लेकिन उस पर भी लोगों ने नेगेटिव कमेंट करने शुरू कर दिए। किसी ने लिखा कि आप कितनी प्रिविलेज्ड हैं। कुछ लोग तो सूरज देखने की स्थिति में भी नहीं हैं। मेरा मकसद किसी को नीचा दिखाना नहीं था। मैंने तो सिर्फ एक खूबसूरत पल साझा किया था।'

जब आपको सही समय लगे, तभी अपनी बात रखें : सानवी तलवार

मुंबई (ए.)। हाल ही में अभिनेत्री सानवी तलवार ने अपने जीवन के अनुभवों और सार्वजनिक मंच पर अपनी बात रखने की क्षमता में आए बदलाव पर खुलकर बात की। अपनी हॉरर-थ्रिलर फिल्म खामोश आहटें को लेकर चर्चाओं में रहने वाली अभिनेत्री ने बताया कि अब वे पहले के मुकाबले अपनी राय रखने में कहीं अधिक सहज महसूस करती हैं। सानवी ने कहा कि जब आपको सही समय लगे, तभी अपनी बात रखनी चाहिए। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि पहले वह केवल सीमित लोगों से बात करती थीं, लेकिन अब उन्हें समझ आया है कि जब कोई बात एक व्यक्ति से दूसरे तक पहुंचती है, तो उसका मूल अर्थ बदल सकता है।

सानवी का मानना है कि आज वह खुलकर अपनी बात रखने में इसलिए सहज हैं, क्योंकि यह उनका अपना फैसला है और उन्हें अब इस बात की परवाह नहीं कि लोग उनके बारे में क्या सोचेंगे। उनके अनुसार, अगर उन्हें लगता है कि कोई बात सही है, तो उसके बारे में बोलना बेहद ज़रूरी है। दरअसल, सानवी तलवार ने एक पुराने इंटरव्यू के दौरान अभिनेता करण कुंद्रा पर आरोप लगाया था। उन्होंने बताया था कि 2015 के टीवी शो ये कहां आ गए हम के सेट पर एक सीन के दौरान करण ने डायरेक्टर के एक्शन बोलने से पहले उन्हें जबरन किस किया था। इसके जवाब में सानवी ने करण को थप्पड़ मार दिया था, जिसके बाद करण ने उन्हें भी जोरदार थप्पड़ मारा और गाली गलौज की थी।

इस घटना को इतनी देर बाद सार्वजनिक करने

को लेकर उठे सवालों पर सानवी ने उन महिलाओं को संबोधित किया जो अपनी बात कहने से झिझकती हैं। उन्होंने हर महिला से आग्रह किया कि अगर आपके साथ कुछ गलत हुआ है और आप उस समय नहीं बोल पाईं, तो भी कभी देर नहीं होती। जब आपको सही लगे और आप तैयार महसूस करें, तब अपनी बात सामने रखें। सानवी ने बताया कि उनकी बात किसी के माध्यम से अनुषा दांडेकर (करण कुंद्रा की पूर्व गर्लफ्रेंड) के पास पहुंच गई थी, और जब वह सेट पर आईं, तो उनकी मौजूदगी ने उन्हें काफी सुकून और सहयोग महसूस करवाया था।

'रागिनी 3' में नजर आएंगी आरजे महवश; फिल्म का एलान कर जताई खुशी; एकता कपूर को कहा शुक्रिया

महवश इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'रागिनी 3' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म का उन्होंने आज शुक्रवार को आधिकारिक एलान कर दिया है। महवश ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए खुशी जाहिर की है। साथ ही एकता कपूर का आभार जताया है।

महवश ने सेट से शेयर कीं तस्वीरें

महवश ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया है।

उन्होंने फिल्म 'रागिनी 3' का एलान करते हुए कुछ फोटोज शेयर की हैं, जो सेट की हैं। फिल्म को

लेकर तैयारी चल रही हैं। एक तस्वीर में महवश ने हाथों में क्लैपरबोर्ड थाम रखा है, जिस पर लिखा है, 'रागिनी 3'।

बोलीं- 'अपने प्यार से संभाल लेना दोस्तों'

महवश ने लिखा है, 'अपनी अगली फिल्म 'रागिनी 3' का एलान करते हुए मैं बहुत उत्साहित हूं। जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मुझे यह मौका देने के लिए एकता कपूर मैम, बालाजी मोशन पिक्चर्स, श्रुति महाजन और हमारे निर्देशक शशांक घोष सर की हमेशा आभारी रहूंगी। बाकी तुम लोग अपने प्यार से संभाल लेना दोस्तों'।

रानी पिंक सूट में शहनाज गिल ने ढाया कहर, वायरल एथनिक फोटोशूट ने जीता फैंस का दिल

बॉलीवुड और पंजाबी इंडस्ट्री की चहेती अदाकारा शहनाज गिल अपने स्टाइल स्टेटमेंट और गजब के ट्रांसफॉर्मेशन से हमेशा सुर्खियों में बनी रहती हैं। हाल ही में शहनाज ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक नया एथनिक फोटोशूट पोस्ट किया है, जो देखते ही देखते इंटरनेट पर आग की तरह वायरल हो गया है। इस लेटेस्ट फोटोशूट में शहनाज ने गहरे रानी पिंक कलर का बेहद खूबसूरत एथनिक सूट कैरी किया है।

नीट-2026 विरोध प्रदर्शनः आपत्तिजनक पोस्टरों पर पुलिस सख्त, सोशल मीडिया पोस्ट भी जांच के दायरे में

रायपुर (आरएनएस)। नीट-2026 पेपर लीक के विरोध में रायपुर समेत प्रदेश के तमाम जिलों में Gen Z संगठन ने प्रदर्शन के दौरान लहराए गए आपत्तिजनक पोस्टरों और सोशल मीडिया पर वायरल फोटो- वीडियो को लेकर पुलिस में शिकायतें पहुंची हैं। पुलिस ने इनके आधार पर संबंधित लोगों की पहचान शुरू कर दी है।पुलिस पोस्टर लहराने वालों के साथ ही इन्हें सोशल मीडिया पर अपलोड और प्रसारित करने वालों की भूमिका भी जांच कर रही है। प्रदेश के सभी जिलों की पुलिस को सोशल मीडिया की निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। जांच के बाद एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।बात करें रायपुर की तो कलेक्टोरेट चौक स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर प्रतिमा के पास हुए प्रदर्शन में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल हुए थे। इनमें कुछ नाबालिग भी थे। आरोप है कि उनके हाथों में भी अशोभनीय और अपशब्द लिखे पोस्टर थमाए गए। इसके साथ प्रदर्शन की अनुमति नहीं होने की भी चर्चा है।

सार्वजनिक स्थान पर अश्लील प्रदर्शन अपराध

जानकारों के अनुसार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर सार्वजनिक स्थान पर अश्लील पोस्टर लगाना या प्रदर्शित करना अपराध है।

ऐसे मामलों में बीएनएस की धारा 294 के तहत कार्रवाई हो सकती है। पोस्टर में महिला का अशोभनीय चित्रण होने पर स्त्री अशिष्ट रूपण (प्रतिषेध) अधिनियम भी लागू हो सकता है। सार्वजनिक शांति भंग होने या लोगों में क्षोभ फैलने की स्थिति में बीएनएस की धारा 296 के तहत कार्रवाई का प्रावधान है।

शिक्षा जीवन बदलने की सबसे बड़ी ताकत : वित्त मंत्री ओपी चौधरी

जिला स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव में नवप्रवेशी विद्यार्थियों का आत्मीय स्वागत

रायपुर (आरएनएस)। रायगढ़ जिले के नगर पंचायत पुसौर स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में गुरुवार को जिला स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव-2026 उत्साह, उल्लास और गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओ.पी. चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने 50 लाख रुपये की लागत से बनने वाले विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय भवन का भूमिपूजन किया। साथ ही नवप्रवेशी विद्यार्थियों का तिलक लगाकर आत्मीय स्वागत किया तथा उन्हें पाठ्यपुस्तकें, गणवेश और अन्य आवश्यक शैक्षणिक सामग्री वितरित की।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि विद्यालय में पहला कदम किसी भी बच्चे के उज्ज्वल भविष्य की शुरुआत होता है। शिक्षा केवल व्यक्ति का जीवन ही नहीं, बल्कि पूरे समाज की दिशा और दशा बदलने की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने अपने संघर्षपूर्ण जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद स्पष्ट लक्ष्य, अनुशासित जीवन और सतत मेहनत के बल पर उन्होंने भारतीय प्रशासनिक सेवा तक का सफर तय किया।

सुबह-सुबह दो बुजुर्ग महिलाएं बनीं चेन स्नेचरों का शिकार, एक वारदात में मिर्ची पाउडर फेंककर लूटी चेन

भिलाई, (आरएनएस)। दुर्ग जिले के भिलाई शहर में शुक्रवार सुबह चेन स्नेचिंग की दो सनसनीखेज घटनाओं ने लोगों में दहशत फैला दी। सुपेला और भट्टी थाना क्षेत्र में महज कुछ मिनट के अंतराल में बुजुर्ग महिलाओं को निशाना बनाकर बदमाशों ने उनके गले से सोने की चेन लूट ली। सूचना मिलते ही दुर्ग रेंज के डीआईजी विजय अग्रवाल मौके पर पहुंचे और पुलिस अधिकारियों के साथ घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कराई।

पहली घटना सुपेला थाना क्षेत्र के प्रियदर्शिनी परिसर स्थित भाजपा कार्यालय के समीप सुबह करीब 6 बजे हुई। घर के सामने टहल रही एक बुजुर्ग महिला के पास एक्टिवा पर सवार दो बदमाश पहुंचे और झपट्टा मारकर गले से सोने की चेन छीनकर फरार हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार वाहन चला रहा आरोपी हेलमेट पहने हुए था, जबकि पीछे बैठा आरोपी चेहरे पर नकाब लगाए हुए था।

इसके कुछ ही मिनट बाद भट्टी थाना क्षेत्र के सेक्टर-1, सड़क नंबर-2 के पास सुबह करीब 6:11 बजे दूसरी वारदात हुई। यहां फूल तोड़ रही एक बुजुर्ग महिला पर आरोपियों ने पहले चेहरे पर मिर्ची पाउडर फेंका और फिर 45 से 50 वर्ष की उम्र की साड़ी पहने एक महिला ने उनके गले से चेन खींच ली। वारदात को अंजाम देने के बाद महिला आरोपी अपने पुरुष साथी के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर फरार हो गई।

रायपुर में नाम छिपाकर शादी का आरोप, युवती की शिकायत पर पुलिस जांच में जुटी

रायपुर, (आरएनएस)। राजधानी रायपुर के पंडरी थाना क्षेत्र में एक युवती ने एक युवक पर अपनी पहचान छिपाकर दोस्ती और शादी करने का आरोप लगाया है। युवती की शिकायत के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। घटना की जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में बजरंग दल के कार्यकर्ता भी पंडरी थाने पहुंचे और आरोपी के खिलाफ एफ्आईआर दर्ज कर गिरफ्तारी की मांग की।

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि करीब छह वर्ष पहले आरोपी ने अपना नाम सोनू बताकर उससे दोस्ती की और बाद में शादी कर ली। युवती का आरोप है कि बाद में उसे पता चला कि युवक का वास्तविक नाम सुफ्रान शेख है। शादी के बाद वह लगभग एक वर्ष तक पंडरी स्थित आरोपी के घर में उसकी नानी और बहनों के साथ रही। इस दौरान उसने एक बेटे को जन्म दिया। शिकायत के अनुसार, बाद में आरोपी हत्या के प्रयास के एक मामले में जेल चला गया और एक वर्ष से अधिक समय तक जेल में रहा।

वीएसके ऐप में तकनीकी त्रुटियों का होगा शीघ्र समाधान, तकनीकी समस्या के कारण किसी शिक्षक का वेतन नहीं कटेगा : शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव

रायपुर, (आरएनएस)। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा है कि शिक्षक संगठनों एवं शिक्षकों द्वारा व्हीएसके ऐप में आ रही तकनीकी त्रुटियों एवं एरर संबंधी शिकायतों को राज्य सरकार ने गंभीरता से लिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि व्हीएसके ऐप में आने वाली तकनीकी समस्याओं के कारण किसी भी शिक्षक का वेतन नहीं काटा जाएगा। शिक्षकों को किसी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। यादव ने बताया कि संबंधित अधिकारियों एवं तकनीकी टीम को व्हीएसके ऐप में आ रही सभी समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं। लक्ष्य निर्धारित किया गया है कि 15 अगस्त तक ऐप में आ रही तकनीकी खामियों का समाधान कर इसे पूरी तरह सुचारु बनाया जाए, ताकि शिक्षकों को बिना किसी परेशानी के अपनी ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करने की सुविधा मिल सके। शिक्षा मंत्री ने प्रदेश के शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य के लगभग 1 लाख 75 हजार शिक्षकों में से लगभग डेढ़ लाख शिक्षक लगभग 85 प्रतिशत शिक्षक प्रतिदिन व्हीएसके ऐप के माध्यम से अपनी ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कर रहे हैं। यह दर्शाता है कि प्रदेश के शिक्षक नई तकनीक को अपनाते हुए शिक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह एवं आधुनिक बनाने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

महानदी विवाद नहीं, छत्तीसगढ़-ओडिशा की साझा समृद्धि का आधार बने : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल की पहल पर छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच नई दिल्ली में हुई बैठक

रायपुर, (आरएनएस)। महानदी जल बंटवारे से जुड़े विषयों के सौहार्दपूर्ण एवं स्थायी समाधान की दिशा में आज नई दिल्ली स्थित श्रमशक्ति भवन में एक महत्वपूर्ण पहल हुई। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच महानदी जल विवाद के सम्बन्ध में बैठक आयोजित हुई। बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू सहित दोनों राज्यों के वरिष्ठ प्रशासनिक एवं तकनीकी अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि महानदी छत्तीसगढ़ और ओडिशा दोनों राज्यों की साझा जीवनरेखा है। इसका जल किसानों की आजीविका, पेयजल व्यवस्था, औद्योगिक विकास, पर्यावरण संरक्षण और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ा हुआ है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार इस बैठक को किसी विवाद की निरंतरता नहीं, बल्कि समाधान की नई शुरुआत के रूप में देखती है। उन्होंने कहा कि

दोनों राज्यों के बीच संवाद और सहयोग का जो वातावरण बना है, वह भविष्य में स्थायी एवं व्यावहारिक समाधान का मजबूत आधार बनेगा। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ओडिशा की सिंचाई, पेयजल तथा हीराकुंड परियोजना से जुड़ी आवश्यकताओं का पूरा सम्मान करती है। उसी प्रकार छत्तीसगढ़ के किसानों, आदिवासी अंचलों, सूखा प्रभावित क्षेत्रों तथा राज्य की भविष्य की विकास आवश्यकताओं को भी समान संवेदनशीलता के साथ देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि दोनों राज्यों के हित एक-दूसरे के विरोध में नहीं, बल्कि परस्पर पूरक हैं और समाधान भी ऐसा होना चाहिए जिससे किसी भी पक्ष के हित प्रभावित न हों।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि दोनों राज्यों के विशेषज्ञ उपलब्ध जल की मात्रा तथा उससे जुड़े विभिन्न तकनीकी पहलुओं का वैज्ञानिक अध्ययन कर चुके हैं। अब आवश्यकता इस बात की है कि इन तकनीकी निष्कर्षों के आधार पर भविष्य उन्मुख एवं व्यवहारिक व्यवस्था विकसित की जाए। उन्होंने सुझाव दिया कि कम वर्षा वाले सालों के लिए साझा जल प्रबंधन प्रणाली तैयार की जाए, जिससे किसी भी राज्य को कठिनाई का सामना न करना पड़े। साथ ही भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए एक स्थायी संस्थागत तंत्र विकसित किया जाए, जो समय-समय पर जल उपलब्धता, उपयोग और आवश्यकताओं की समीक्षा करता रहे। मुख्यमंत्री ने यह भी सुझाव दिया कि प्रशासनिक एवं तकनीकी स्तर पर अधिकतम विषयों का समाधान आपसी समन्वय से किया जाए तथा केवल नीतिगत महत्व के विषयों को ही मंत्रिस्तरीय स्तर पर विचार के लिए लाया जाए। उन्होंने कहा कि इससे निर्णय प्रक्रिया अधिक प्रभावी, पारदर्शी और समयबद्ध बनेगी।

खेल समाचार

पाकिस्तान को लगा बड़ा झटका, वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर हुए शान मसूद

नई दिल्ली (आरएनएस)। पाकिस्तान को वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाले दूसरे टेस्ट मैच से पहले बड़ा झटका लगा है। टीम के अनुभवी बल्लेबाज शान मसूद चोट के चलते दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं।

शान मसूद को उंगली की चोट की वजह से दूसरे टेस्ट से बाहर होना पड़ा है। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट की पहली पारी के दौरान जयडेन सील्स की एक गेंद मसूद की तर्जनी उंगली (इन्डेक्स फिंगर) पर आकर लगी थी, जिसके बाद वह काफी दर्द में दिखाई दिए थे। मसूद दूसरी पारी में काफी निचले क्रम में बल्लेबाजी करने उतरे थे और बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके थे। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, मसूद का इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले टेस्ट सीरीज में भी खेलना मुश्किल नजर आ रहा है।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने शान मसूद की चोट पर अपडेट देते हुए बताया, पाकिस्तान के टेस्ट बल्लेबाज शान मसूद वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। त्रिनिदाद में ब्रायन लारा क्रिकेट एकेडमी में पहले टेस्ट के दौरान उनके बाएं हाथ की इंडेक्स फिंगर में चोट लग गई थी। स्कैन और नैदानिक मूल्यांकन के बाद, शान का अभी पाकिस्तान टीम के मेडिकल पैनल से इलाज चल रहा है। 19 अगस्त से लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाले पहले टेस्ट के लिए मसूद की उपलब्धता उनकी रिकवरी और क्लिनिकल प्रगति पर निर्भर करेगी।

पाकिस्तान को पहले टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज के खिलाफ 90 रनों से हार का सामना करना पड़ा था। वेस्टइंडीज से मिले चौथी पारी में 211 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की पूरी टीम सिर्फ 120 रन बनाकर ऑलआउट हो गई थी। टीम के बल्लेबाज कैरेबियाई गेंदबाजों के आगे बुरी तरह से संघर्ष करते नजर आए थे। टीम के आठ बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा तक पार नहीं कर सके थे। कप्तान बाबर आजम ने दूसरी पारी में पाकिस्तान की ओर से सर्वाधिक नाबाद 58 रन बनाए थे। हालांकि, उन्हें बाकी बल्लेबाजों का साथ नहीं मिल सका था। पाकिस्तान और वेस्टइंडीज के बीच दूसरा टेस्ट मैच 2 अगस्त से खेला जाना है।

लवप्रीत सिंह : आर्थिक तंगी और संघर्ष की तपस्या में तपकर चमका दर्जी पिता का बेटा, यादगार प्रदर्शन कर जीता सिल्वर मेडल

नई दिल्ली (आरएनएस)। रात नहीं ख्वाब बदला है, मंजिल नहीं कारवां बदलता है, जज्बा रखो जीतने का क्योंकि किस्मत बदले न बदले, पर वक्त जरूर बदलता है। यह लाइनें पूरी तरह से भारतीय वेटलिफ्टर लवप्रीत सिंह पर फिट बैठती हैं। आर्थिक तंगी और संघर्ष की तपस्या में तपकर लवप्रीत कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के मंच पर क्या खूब चमके। लवप्रीत ने कुल 388 किलोग्राम का भार उठाते हुए देश को वेटलिफ्टिंग में सिल्वर मेडल दिलाया। लवप्रीत एक किलो के भार से गोल्ड लाने से चूक गए, लेकिन उन्होंने स्नैच राउंड में 176 किलो का वजन उठाने के साथ ही कॉमनवेल्थ गेम्स में नया रिकॉर्ड कायम कर दिया। हालांकि, लवप्रीत का गले में सिल्वर मेडल पहनने तक का सफर चुनौतियों से भरा रहा।लवप्रीत एक बेहद साधारण परिवार से आते हैं। उनके पिता पेशे से दर्जी है, जबकि दादा सब्जियां बेचते हैं। शुरुआत से ही परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। हालांकि, माता-पिता ने लवप्रीत के हाथों में अपनी तरह सुई और धागे की डोर नहीं थमाई, बल्कि उन्हें देश के लिए मेडल लाने का सपना देखने की इजाजत दी। परिवार बेशक आर्थिक तंगी से लड़ाई लड़ता रहा, लेकिन इसका असर पिता ने कभी भी लवप्रीत की ट्रेनिंग पर नहीं पड़ने दिया। लवप्रीत ने महज 13 साल की उम्र में ही वेटलिफ्टिंग की दुनिया में कदम रख दिया था। परिवार ने उनकी ट्रेनिंग और खानपान का हमेशा ख्याल रखा और कभी भी कोई कमी महसूस नहीं होने दी। भारतीय वेटलिफ्टर की जिंदगी ने तब नया मोड़ लिया जब साल 2015 में उन्हें भारतीय नोसैना में नौकरी मिली।

टीम इंडिया के लिए आई बड़ी खुशखबरी,जसप्रीत बुमराह ने पास किया फिटनेस टेस्ट

बेंगलुरु (आरएनएस)। भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों और टीम प्रबंधन के लिए एक बेहद राहत भरी और बड़ी खबर सामने आई है। भारत के घातक तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने अपने सभी फिटनेस टेस्ट सफलतापूर्वक पास कर लिए हैं। बेंगलुरु स्थित भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ने उन्हें मैदान पर उतरने के लिए पूरी तरह से फिट घोषित कर दिया है। इसके साथ ही उन्हें अगले महीने श्रीलंका के खिलाफ शुरू होने जा रही दो मैचों की महत्वपूर्ण टेस्ट सीरीज में खेलने की हरी झंडी मिल गई है। हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के दौरान बुमराह चोटिल हो गए थे, जिसके कारण उन्हें लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे वनडे मैच से बाहर बैठना पड़ा था। बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पुष्टि की है कि बुमराह पूरी तरह से ठीक हो चुके हैं और श्रीलंका के खिलाफ दोनों टेस्ट मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे।भारत और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट मैच 15 अगस्त से गॉल में खेला जाएगा, जबकि दूसरा मुकाबला 23 अगस्त से कोलंबो में शुरू होगा। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) के फाइनल की रेस में बने रहने के लिए भारतीय टीम के लिए यह सीरीज जीतना बेहद अनिवार्य है। भारत को मौजूदा डब्ल्यूटीसी चक्र के बाकी बचे नौ टेस्ट मैचों में से कम से कम सात मुकाबलों में जीत हासिल करनी होगी। ऐसे में न्यूजीलैंड के खिलाफ उसकी धरती पर होने वाली कठिन सीरीज से पहले भारत के लिए श्रीलंका को उसी के घर में 2-0 से हराना बहुत

महत्वपूर्ण है। फिलहाल डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में भारतीय टीम पांचवें स्थान पर है, जबकि श्रीलंका छठे पायदान पर मौजूद है।

चोट की मार से परेशान भारत, ये सितारे हुए बाहर

एक तरफ जहां बुमराह की वापसी से गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती मिली है, वहीं दूसरी ओर भारतीय खेमे को कई खिलाड़ियों की चोटों से बड़ा झटका भी लगा है। तेज गेंदबाज हर्षित राणा और ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी चोटिल होने के कारण इस सीरीज से पूरी तरह बाहर हो गए हैं। इसके अलावा ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर मांसपेशियों में खिंचाव की वजह से पहले टेस्ट मैच में चयन के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे, जबकि तेज गेंदबाज आकाश दीप भी पीठ के दर्द से अभी तक पूरी तरह नहीं उबर सके हैं।

श्रीलंका दौरे के लिए घोषित भारतीय टेस्ट टीम में सबसे बड़ा सरप्राइज ऑफ-स्पिन ऑलराउंडर सारांश जैन का चयन रहा है। घरेलू क्रिकेट में लगातार प्रभावित करने वाले सारांश को पहली बार नेशनल टेस्ट टीम की जर्सी पहनने का मौका मिला है। उनके अलावा रवींद्र जडेजा और जसप्रीत बुमराह की सीनियर खिलाड़ियों के रूप में टीम में सफल वापसी हुई है। टीम की कमान युवा शुभमन गिल के हाथों में होगी, जबकि केएल राहुल उप-कप्तान की भूमिका निभाएंगे।

श्रीलंका दौरे के लिए पूरी भारतीय टेस्ट टीम-

शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, के एल राहुल (उप-कप्तान), साई सुदर्शन, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), देवदत्त पड़िक्कल, रवींद्र जडेजा, सारांश जैन, कुलदीप यादव, मानव सुथार, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बराड़।

कॉमनवेल्थ गेम्स : चार साल के बेटे की मां और पीएचडी स्कॉलर सीमा कालीरमन ने दिलाया ब्रॉन्ज मेडल

नई दिल्ली, (आरएनएस)। । बड़ी पुरानी कहावत है, जहां चाह वहां राह। यह लाइनें कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में महिला डिस्कस थ्रो में भारत को ब्रॉन्ज मेडल दिलाने वाली एथलीट सीमा कालीरमन पर फिट बैठती हैं। चार साल के बेटे की जिम्मेदारी, पीएचडी की पढ़ाई के साथ खेल के प्रति ऐसा जुनून उन्हें बाकी एथलीटों से अलग बनाता है। सीमा का सबसे बड़ा सहारा पति रविंदर भी बने, जिनकी कोचिंग में वह देश का नाम रोशन करने में कामयाब हो सकीं। हालांकि, सीमा का ब्रॉन्ज मेडल जीतने तक का सफर चुनौतियों से भरा रहा। चोट, प्रेग्नेंसी और तमाम तरह की चुनौतियों के बावजूद सीमा ने कभी अपना हौसला कम नहीं होने दिया। जब-जब जिंदगी ने खेल को उनसे दूर करने की कोशिश की तो सीमा ने हर बार शानदार वापसी की। डिस्कस थ्रो के फाइनल में 27 साल की इस एथलीट के छह राउंड में से केवल दो ही थ्रो सही (वैलिड) हो पाए, क्योंकि बार-बार डिस्कस साइड नेटिंग में फंस जा रहा था। यह पोडियम सीमा के लिए पहला बड़ा इंटरनेशनल मेडल रहा। सीमा एक पीएचडी स्कॉलर भी हैं और चार साल के बेटे रुद्र की मां हैं।

असल में, मां बनने के साथ-साथ सीमा एक टॉप एथलीट के तौर पर भी आगे बढ़ीं। 2022 में बेटे रुद्र के जन्म से पहले उनका पर्सनल बेस्ट 48.08 मीटर था।

राष्ट्रमंडल खेल : मुक्केबाज प्रीति पवार ने फाइनल में बनाई जगह, स्वर्ण पदक पर नजर

ग्लासगो, (ए.)। भारत की मुक्केबाज प्रीति पवार ने राष्ट्रमंडल खेल-2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिला 54 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में प्रवेश कर लिया। सेमीफाइनल

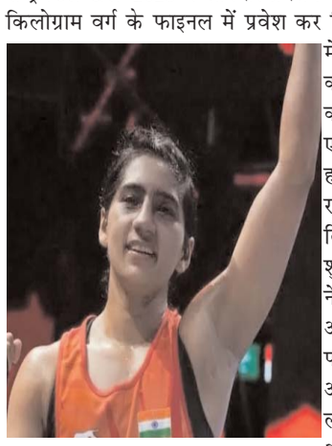

में प्रीति ने जाम्बिया की कैथरीन म्वापे को 5-0 के एकतरफा फैसले से हराकर कम से कम रजत पदक पक्का कर लिया। मुकाबले की शुरुआत से ही प्रीति ने बेहतरीन फुटवर्क और तेज काउंटर पंचों से मुकाबले पर अपनी पकड़ बना ली। म्वापे लगातार आक्रामक होने की कोशिश करती रहीं, लेकिन भारतीय मुक्केबाज ने सटीक लेफ्ट-राइट जैब से उन्हें कई बार बैकफुट पर धकेल दिया। दूसरे राउंड में प्रीति के दमदार प्रहारों के बाद म्वापे को दो बार स्टैंडिंग काउंट का सामना करना पड़ा।दूसरे राउंड के बाद सभी पांचों जजों ने प्रीति के पक्ष में 10-8 का स्कोर दिया और भारतीय मुक्केबाज 5-0 की मजबूत बढ़त के साथ अंतिम राउंड में उतरीं। तीसरे और अंतिम राउंड में म्वापे ने वापसी की कोशिश की, लेकिन प्रीति ने शानदार काउंटर अटैक करते हुए लगातार प्रभावी पंच लगाए। एक बेहतरीन लेफ्ट हुक और उसके बाद लगातार लेफ्ट-राइट कॉम्बिनेशन ने जाम्बियाई मुक्केबाज को पूरी तरह दबाव में ला दिया।

बनारस की कराटे खिलाड़ी गौरी पाठक वर्ल्ड पुलिस गेम्स में चयनित

वाराणसी (ए.)। उत्तर प्रदेश के वाराणसी लहरतारा निवासी कराटे खिलाड़ी गौरी पाठक ऑस्ट्रेलिया में आयोजित होने वाले वर्ल्ड पुलिस गेम्स के लिए भी चयनित हुई है। हाल में ही गौरी ने 11वें ऑल इंडिया पुलिस जूडो क्लस्टर-2026 में व्यक्तिगत कुमिते (-61 किग्रा) स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था। गौरी के इस स्वर्णिम सफलता पर जिला कराटे संघ ने खुशी जताई है। शुक्रवार को जिला कराटे संघ के महासचिव दिलीप कुमार सैनी व कोच किसलय मानव ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में आयोजित 9वें साउथ एशियन कराटे प्रतियोगिता में गौरी पाठक ने रजत पदक जीता था।

स्टीफन फ्लेमिंग से कभी मिला नहीं, लेकिन उनके बारे में अच्छी बातें सुनी हैं : ओली रोबिन्सन

लंदन (ए.)। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान स्टीफन फ्लेमिंग को अपना नया टेस्ट हेड कोच नियुक्त किया है। फ्लेमिंग की नियुक्ति को लेकर इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ओली रोबिन्सन का कहना है कि उन्होंने फ्लेमिंग के बारे में काफी अच्छी बातें सुनी हैं। टेस्ट क्रिकेट में खराब दौर से गुजर रही इंग्लैंड टीम को फिर से ट्रैक पर लाने की जिम्मेदारी फ्लेमिंग के कंधों पर होगी। हाल ही में बेन स्टोक्स ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया, जिसके बाद जो रूट को इंग्लैंड टीम का नया टेस्ट कप्तान नियुक्त किया गया है। वहीं, ब्रेंडन मैकुलम को भी टेस्ट में हेड कोच के पद से हटाया गया है। इंग्लैंड को न्यूजीलैंड के खिलाफ हाल ही में 2-1 से टेस्ट सीरीज गंवानी पड़ी थी। रोबिन्सन ने द आई पेपर के साथ बातचीत करते हुए कहा, किसी नए व्यक्ति का आना हमेशा कुछ नया और दिलचस्प होता है। मैं स्टीफन फ्लेमिंग से कभी मिला नहीं हूं, लेकिन मैंने उनके बारे में अच्छी बातें सुनी हैं।

मूंग उपार्जन के लिए पोर्टल पर बढ़ी हुई मात्रा होगी अपडेट, किसान पुनः स्लॉट बुकिंग कर सकेंगे

किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, सजगता, सतर्कता एवं तत्परता से करें कार्य - कृषि सचिव श्री वरवड़े

कृषि सचिव ने उपार्जन व्यवस्था की वीसी के माध्यम से की समीक्षा

सीहोर (निप्र)। कृषि विभाग के सचिव निशांत वरवड़े ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश में संचालित उपार्जन व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की गई। सीहोर कलक्ट्रेट के एनआईसी कक्ष से कलेक्टर बालागुरु के. तथा कृषि उप संचालक अशोक कुमार उपाध्याय सहित सभी संबंधित अधिकारी वीसी में शामिल हुए।

बैठक में बताया गया कि किसानों से मूंग उपार्जन का लक्ष्य बढ़ाकर लगभग 60 प्रतिशत तक किया गया है। इसके अनुरूप पोर्टल पर बढ़ी हुई मात्रा अपडेट कर दी जाएगी। जिन किसानों द्वारा अपनी स्वीकृत मात्रा का विक्रय किया जा चुका है, वे पुनः स्लॉट बुकिंग कर सकेंगे। वहीं जिन किसानों की आगामी स्लॉट बुकिंग पहले से निर्धारित है, उनकी बढ़ी हुई मात्रा स्वतः पोर्टल पर अपडेट हो जाएगी। बैठक में किसानों को सुगम एवं पारदर्शी उपार्जन व्यवस्था उपलब्ध

कराने, खाद की उपलब्धता, स्लॉट बुकिंग, उपार्जन केन्द्रों की व्यवस्थाओं तथा स्टॉक प्रबंधन सहित विभिन्न बिंदुओं पर आवश्यक निर्देश दिए गए। उन्होंने निर्देश दिए कि समय-समय पर व्यापारियों के स्टाफ की भी चेकिंग की जाए। सचिव श्री वरवड़े ने निर्देश दिए कि किसानों को खाद की उपलब्धता में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं आनी चाहिए। निजी उर्वरक विक्रेताओं पर सतत निगरानी रखी जाए तथा यूरिया सहित अन्य उर्वरकों का समुचित स्टॉक प्रबंधन सुनिश्चित किया जाए। उपार्जन केन्द्रों एवं वेयरहाउसों पर केवल साफ एवं गुणवत्तायुक्त उपज ही प्राप्त की जाए तथा तौल-कांटा पूरी पारदर्शिता एवं शुद्धता के साथ किया जाए।

उन्होंने कहा कि उपार्जन कार्य से जुड़े सभी अधिकारी एवं कर्मचारी प्रतिदिन प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उपार्जन समितियों के माध्यम से किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। पात्र किसानों को समय पर उपार्जन का लाभ दिलाने के लिए ई-टोकन एवं स्लॉट बुकिंग व्यवस्था का प्रभावी संचालन सुनिश्चित किया जाए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के पश्चात कलेक्टर बालागुरु के. ने जिले के सभी उपार्जन से संबंधित अधिकारियों को शासन के निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी सजगता, सतर्कता एवं तत्परता के साथ कार्य करें, ताकि किसानों को उपार्जन प्रक्रिया में किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा संपूर्ण व्यवस्था पारदर्शी, व्यवस्थित एवं किसान हितैषी बनी रहे।

सीहोर जिले में 31 जुलाई तक औसत 488.7 मिमी वर्षा दर्ज

सीहोर (निप्र)। भू-अभिलेख कार्यालय से प्राप्त दैनिक वर्षा रिपोर्ट के अनुसार 31 जुलाई 2026 को जिले में औसतन 7.5 मिमी वर्षा दर्ज की गई। सर्वाधिक 16.2 मिमी वर्षा सीहोर तहसील में रिकॉर्ड की गई। इसके अलावा भैरूंदा में 15.0 मिमी, जावर में 9.0 मिमी, इछावर में 8.0 मिमी, रेहटी में 6.2 मिमी तथा श्यामपुर में 5.5 मिमी वर्षा दर्ज की गई। आष्टा एवं बुधनी तहसीलों में वर्षा दर्ज नहीं की गई। 01 जून 2026 से 31 जुलाई 2026 तक जिले में औसतन 488.7 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई है, जबकि गत वर्ष इसी अवधि में जिले में 643.9 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई थी। तहसीलवार आंकड़ों के अनुसार आष्टा में सर्वाधिक 551.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। इसके अलावा रेहटी में 527.0 मिमी, भैरूंदा में 514.0 मिमी, इछावर में 507.0 मिमी, बुधनी में 501.0 मिमी, जावर में 495.0 मिमी, सीहोर में 455.4 मिमी तथा श्यामपुर में 359.3 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई है।

स्वर सम्राट मोहम्मद रफी की 46वीं पुण्यतिथि पर सजेगी संगीतमयी श्रद्धांजलि

सीहोर (निप्र)। सरगम के साथी क्लब के तत्वावधान में स्वर सम्राट मोहम्मद रफी की 46वीं पुण्यतिथि के अवसर पर एक भव्य संगीतमयी श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 1 अगस्त को दोपहर 2:00 बजे से रात्रि 8:00 बजे तक होटल रेडिएंट, इंदौर नाका, सीहोर में आयोजित होगा। कार्यक्रम में सीहोर, भोपाल एवं आष्टा के सुप्रसिद्ध गायक एवं गायिकाएँ मोहम्मद रफी के सदाबहार, लोकप्रिय और अमर गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियाँ देकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। रफी साहब के गीतों के माध्यम से श्रोताओं को भारतीय फिल्म संगीत के स्वर्णिम दौर की मधुर स्मृतियों से रूबरू कराया जाएगा। सरगम के साथी क्लब लगातार संगीत संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से विभिन्न संगीतमय आयोजनों का सफलतापूर्वक आयोजन करता आ रहा है। क्लब ने संगीत के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है और स्थानीय कलाकारों को एक सशक्त मंच उपलब्ध कराया है।

आरएके कॉलेज में खेती में स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित

सीहोर (निप्र)। सीहोर स्थित आरएके कॉलेज में खेती में स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया गया। अभियान के अंतर्गत एनएसएस के स्वयंसेवी छात्र-छात्राओं ने कॉलेज परिसर में श्रमदान किया और खरपतवारों की साफ-सफाई की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वच्छता, श्रमदान, पर्यावरण संरक्षण तथा स्वच्छ एवं खरपतवार-मुक्त खेती के प्रति जागरूकता विकसित करना था। इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने कृषि अनुसंधान प्रक्षेत्रों एवं महाविद्यालय परिसर को स्वच्छ बनाए रखने तथा नियमित रूप से स्वच्छता गतिविधियों में सहभागी बनने का संकल्प भी लिया। अधिष्ठाता डॉ. प्रदीप कुमार ने कहा कि स्वच्छता सफल, टिकाऊ एवं वैज्ञानिक कृषि की आधारशिला है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे स्वच्छता को अपने दैनिक जीवन और कृषि कार्यों का अभिन्न अंग बनाते हुए समाज में भी स्वच्छता का संदेश प्रसारित करें। डॉ. देवेंद्र पयासी ने अभियान के उद्देश्य एवं महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व, अनुशासन, श्रम की गरिमा तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करते हैं।

जिला पंचायत सीईओ ने किया मत्स्यबीज प्रक्षेत्र का निरीक्षण

मत्स्यबीज उत्पादन बढ़ाने के दिए निर्देश

सीहोर (निप्र)। जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव ने जामोनिया स्थित मत्स्यबीज प्रक्षेत्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभागीय नर्सरी एवं चाइनीज हैचरी में संचालित मत्स्यबीज उत्पादन कार्यों का जायजा लिया तथा अधिकारियों को उत्पादन की गुणवत्ता एवं क्षमता बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले के स्थानीय मत्स्य पालकों को बेहतर गुणवत्ता का मत्स्यबीज समय पर उपलब्ध कराया जाए, ताकि उन्हें निजी स्रोतों पर निर्भर न रहना पड़े और जिले में मत्स्य उत्पादन को बढ़ावा मिल सके। उन्होंने मत्स्यबीज उत्पादन में आधुनिक तकनीकों का प्रभावी उपयोग करते हुए अधिक से अधिक उत्पादन सुनिश्चित करने पर बल दिया, जिससे सीहोर जिला मत्स्यबीज उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सके। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बताया कि विभागीय मत्स्यबीज प्रक्षेत्र में मछली का बीज उपलब्ध है। इच्छुक मत्स्य कृषक मत्स्य विभाग से संपर्क कर शासकीय दरों पर मत्स्यबीज प्राप्त कर सकते हैं। इससे मत्स्य पालन को प्रोत्साहन मिलने के साथ ही किसानों की आय बढ़ाने में भी सहायता मिलेगी। निरीक्षण के दौरान मत्स्य विभाग के सहायक संचालक प्रशांत हर्ष, बी.एम. सिंह सिसोदिया, उमराव सिंह तथा विभागीय कर्मचारी उपस्थित रहे।

शिक्षा व्यवस्था में सुधार और नीट अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

भारतीय विद्यार्थी मोर्चा एवं भारत मुक्ति मोर्चा ने शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार और प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की उठाई मांग

सीहोर (निप्र)। भारतीय विद्यार्थी मोर्चा एवं भारत मुक्ति मोर्चा के तत्वावधान में देशभर के विद्यार्थियों, युवाओं एवं नागरिकों की ओर से शिक्षा व्यवस्था में सुधार, नीट-यूजी परीक्षा में सामने आई अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच तथा विद्यार्थियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा गया। छात्रा प्रकोष्ठ की रंजना मालवीय ने ज्ञापन का वाचन करते हुए कताया कि नीट-यूजी परीक्षा में सामने आई गंभीर अनियमितताओं और कथित धांधली ने देश के करोड़ों विद्यार्थियों के भविष्य एवं शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। संगठन का कहना है कि केवल शिक्षा मंत्री के इस्तीफे से समस्या का समाधान नहीं होगा, बल्कि पूरे मामले की निष्पक्ष, स्वतंत्र एवं उच्चस्तरीय जांच कर वास्तविक दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए।ज्ञापन में यह भी कहा गया कि यह केवल किसी एक व्यक्ति की जवाबदेही का विषय नहीं, बल्कि देश की परीक्षा प्रणाली, शिक्षा व्यवस्था की पारदर्शिता तथा करोड़ों विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़ा राष्ट्रीय महत्व का मुद्दा है। इसलिए सरकार को शिक्षा प्रणाली में

व्यापक सुधार के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए।संगठनों ने ज्ञापन के माध्यम से कई प्रमुख मांगें रखीं। इनमें नीट परीक्षा प्रणाली की समीक्षा कर युएआईआईएमएस की निगरानी में पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था लागू करना, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की कार्यप्रणाली की उच्चस्तरीय समीक्षा, नीट एवं एसएससी (सीजीएल) सहित सभी प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक और अनियमितताओं पर प्रभावी रोक, वर्ष 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों के लिए टीइटी की अनिवार्यता समाप्त करना तथा केंद्र एवं राज्य सरकारों के रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ करने की मांग प्रमुख रही। इसके अलावा राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनइपी) 2020 की समीक्षा, छात्राओं की सुरक्षा एवं अधिकारों को सुनिश्चित करने, देश में समान शिक्षा व्यवस्था एवं समान शुल्क नीति लागू करने तथा इलाहाबाद विश्वविद्यालय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की लगभग 52 प्रतिशत कम की गई सीटों को पुनः बहाल करने की मांग भी ज्ञापन में शामिल की गई। ज्ञापन में जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वाले छात्रों पर दर्ज मामलों को वापस लेने तथा आंदोलन के दौरान छात्राओं के साथ कथित दुर्व्यवहार के आरोपों की निष्पक्ष जांच कर दोषी पाए जाने वाले संबंधित पुलिसकर्मियों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की मांग भी की गई। अंत में भारतीय विद्यार्थी मोर्चा एवं भारत मुक्ति मोर्चा ने सरकार से सभी मांगों पर गंभीरतापूर्वक विचार करते हुए शीघ्र आवश्यक कार्रवाई करने का आग्रह किया, ताकि देश के विद्यार्थियों का भविष्य सुरक्षित हो, शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़े और जनता का विश्वास और अधिक मजबूत हो। रंजना मालवीय ने आगे बताया कि मांगें पूर्ण नही की गई तो आगामी दिनांक 20 अगस्त 2026 को जिला मुख्यालय पर दूसरे चरण में व्यापक रूप से धरना प्रदर्शन किया जावेगा।

विश्व मानव तस्करी रोकथाम दिवस पर जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

सीहोर (निप्र)। विश्व मानव तस्करी रोकथाम दिवस पर महिला एवं बाल विकास विभाग, श्रम विभाग, पुलिस तथा विदिशा सोशल वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन द्वारा सीहोर रेलवे स्टेशन पर बाल संरक्षण एवं मानव तस्करी रोकथाम के लिए जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान नुक्कड़ नाटक एवं जागरूकता गीतों के माध्यम से यात्रियों एवं आमजन को बाल तस्करी, बाल संरक्षण तथा बच्चों के अधिकारों के संबंध में जागरूक किया गया। नाटक के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि बाल तस्करी एक जघन्य एवं गंभीर अपराध है तथा समाज के प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है कि किसी भी संदिग्ध परिस्थिति में बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु तत्काल संबंधित विभाग को सूचना दें। नागरिकों से अपील की गई कि यदि किसी बच्चे के साथ संदिग्ध गतिविधि, जबरन श्रम, अवैध परिवहन अथवा तस्करी की आशंका दिखाई दे तो तत्काल पुलिस-112, रेलवे सुरक्षा बल अथवा चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर सूचना देकर बच्चे की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सहयोग करें।

इस दौरान संयुक्त दल द्वारा बाल भिक्षावृत्ति करते हुए 06 बच्चों के पारिवारिक पुनर्वास की कार्यवाही भी की गई। इस अवसर पर बाल कल्याण समिति अध्यक्ष मानसिंह सेन, सदस्य रवि राठौर, श्रम निरीक्षक अजय शाह, रेलवे निरीक्षक देवेश गोहलानी, सुमित गौर, दीपक राठौर सहित संबंधित विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रह।

बसपा ने कमलेश को दी प्रदेश की जिम्मेदारी, बनाया प्रभारी कार्यकर्ताओं ने मनाई खुशियां

सीहोर (निप्र)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) द्वारा वरिष्ठ नेता कमलेश कुमार को प्रदेश प्रभारी नियुक्त किया । नियुक्ति को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों में उत्साह का माहौल देखने को मिला।

नई जिम्मेदारी मिलने के बाद जिले के बसपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उनके निवास पर पहुंचे, जहां पुष्पमालाओं से स्वागत कर उन्हें शुभकामनाएं दीं और संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प दोहराया। बसपा नेताओं ने कहा कि कमलेश कुमार को प्रदेश प्रभारी बनाए जाने से संगठन को नई दिशा और मजबूती मिलेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में पार्टी गांव-गांव तक अपने संगठन का विस्तार करेगी और बहुजन समाज पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा को अधिक प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान बसपा जिला अध्यक्ष संजीव बौद्ध ने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने योग्य और अनुभवी कार्यकर्ता को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देकर संगठन को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम उठाया है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में पूर्व जिला प्रभारी अनोखीलाल मालवीय, एन.पी. सागर, जिला महासचिव नरसिंह भारती, जिला कोषाध्यक्ष हरिओम बौद्ध, जिला कार्यकारिणी सदस्य कोमल नागर एवं धनराज थरेले, विधानसभा प्रभारी अर्जुन पैरवाल, विनोद चौहान, नवीन भैरवे, विधानसभा अध्यक्ष धीरप अहिरवार, पूर्व विधानसभा प्रभारी लक्ष्मीनारायण अहिरवार, विधानसभा कोषाध्यक्ष थानसिंह अहिरवार, कमल कौरवे, देवराज मालवीय, राकेश बौद्ध, धर्मेंद्र कचनेरिया, नगर अध्यक्ष रामस्वरूप भारती, बलराम पैठारी, अर्जुन बौद्ध, जगदीश पैठारी सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अभाविप की नगर कार्यकारिणी का हुआ गठन, हिमांशु राय नगर अध्यक्ष व नगर मंत्री खुशहाल मोटवानी निर्वाचित हुए

सीहोर (निप्र)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) नगर इकाई सीहोर की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में जिला संयोजक विष्णु ठाकुर उपस्थित रहे। बैठक के दौरान सत्र 2026-27 के लिए नगर कार्यकारिणी की घोषणा की गई घोषित कार्यकारिणी में हिमांशु राय सर को नगर अध्यक्ष एवं खुशहाल मोटवानी को नगर मंत्री नियुक्त किया गया। नगर सहमंत्री के रूप में नागेश बैरागी, गौतम देशराज, सौरभ माहेश्वरी, तनु राठौर एवं पल्लवी धाकड़ को दायित्व सौंपा गया। इसी प्रकार लक्ष्य समाधिया को नगर महाविद्यालय प्रमुख, हर्षित बिछोला को नगर महाविद्यालय सह प्रमुख, शिवम राजपूत को नगर विद्यालय प्रमुख, केशव गोहिया को नगर विद्यालय सह प्रमुख, नीरज राठौर को नगर कार्यालय मंत्री तथा देवेन्द्र मालवीय को नगर कार्यालय सहमंत्री बनाया गया। सोशल मीडिया प्रमुख का दायित्व वरुण कुशवाह तथा सह प्रमुख के रूप में कृष्णा एवं अभिषेक राठौर को सौंपा गया। नगर छात्रा प्रमुख मांशी मालवीय तथा सह प्रमुख तिशा चौकसे एवं आरती यादव को बनाया गया। नगर निजी विश्वविद्यालय संयोजक शिवांग तथा सह संयोजक राहुल मालवीय एवं दिव्यांश चन्द्रवंशी नियुक्त हुए। नगर एसएफएस प्रमुख प्रथम सोनी एवं सह प्रमुख अरुण मेहरा और उपेन्द्र वर्मा बनाए गए। नगर एसएफडी प्रमुख नवीन मालवीय तथा सह प्रमुख विनायक जोशी एवं हिमांशु कुशवाह को दायित्व मिला। राष्ट्रीय कलामंच प्रमुख आरती यादव तथा सह प्रमुख कुनाल राजपूत एवं राजकुमार खत्री बनाए गए। नगर खेलो भारत प्रमुख अमन सिंदोरिया तथा सह प्रमुख आलोक मालवीय एवं प्रीति परमार नियुक्त हुए।

शहर के चर्च मैदान पर राज्य स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता

कांटे के मुकाबले में नर्मदापुरम की टीम ने सीहोर को 1-0 से हराया

सीहोर (निप्र)। शहर के चर्च मैदान पर जिला फुटबाल एसोसिएशन के तत्वाधान में खेली जा रही राज्य स्तरीय जूनियर बालक फुटबाल प्रतियोगिता के अंतर्गत शुक्रवार को हुए कांटे के मुकाबले में नर्मदापुरम की टीम ने सीहोर को 1-0 से हराया। फुटबॉल प्रतियोगिता के पांचवें दिन नर्मदापुरम सीहोर के बीच मैच खेला गया दोनों ही टीमों ने शानदार खेल का प्रदर्शन कर 75 मिनट में नर्मदा पुरम की ओर से दिव्यांश ने टीम के डिफेंडर को चकमा देते हुए शानदार कॉल कर अपनी टीम को 1-0 से बढ़त दिलाई। शुक्रवार को फुटबॉल कोच गौतम कुमार विश्वास मैच कमिश्नर मुश्ताक ने खिलाड़ियों से संपर्क परिचय प्राप्त किया खिलाड़ियों ने दोनों अतिथियों का स्वागत किया। फुटबॉल कोच ने टीमों को संबोधित करते हुए कहाकि यह प्रतियोगिता हार जीत की नहीं इस प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ खेल का प्रदर्शन करें ताकि हमें मध्य प्रदेश की सशक्त टीम बनाने का में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों का चयन कर सके मेरी ओर से आपको शुभकामनाएं शानदार आयोजित की जा रही है। इस संबंध में जानकारी देते हुए एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी प्रियांशु दीक्षित ने बताया कि शनिवार को दोपहर तीन बजे इंदौर-ग्वालियर के मध्य मुकाबला खेला जाएगा।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस तलैया,भोपाल एवं श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा 09 वैशाली नगर ग्राम शेरपुर शंकर मंदिर के पास सीहोर म.प्र. से प्रकाशित।
ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना। स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com